राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. (UHIN/2009/34814) (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापुर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, बुधवार, 24 जून 2026
वर्ष 16, अंक 94, पृष्ट 04, मूल्य: 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

कोडीनयुक्त कफ सीरप तस्करी कांड के मास्टरमाइंड शुभम और साथियों पर कसा गया शिकंजा- 35 करोड़ संपति होगी कुर्क...03

चीन की धमकी और यूक्रेन का उदाहरण ताइवान में हर कोई सीख रहा ड्रोन उड़ाना...04

जिस बिल्डिंग में 15 लोगों का दम घुट गया, वहीं सुबह लगी थी आग; फिर भी नहीं चेता लखनऊ प्रशासन!

● लखनऊ के अलीगंज में हुए भीषण अग्निकांड ने सुरक्षा मानकों और प्रशासनिक निगरानी पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं. हेड हॉपर 3डी आर्ट स्टूडियो वाली तीन मंजिला इमारत में लगी आग में 15 लोगों की मौत और 5 लोग घायल हो गए. चौंकाने वाली बात यह है कि आज सुबह ही इस बिल्डिंग में एक छोटी आग लगी थी, जिसे बुझा लिया गया था।

लखनऊ के अलीगंज इलाके में हुए भीषण अग्निकांड ने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं. प्रारंभिक जांच और स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के अनुसार, जिस इमारत में आग लगी, उसके मालिक वीरेंद्र शुक्ला, सुरेंद्र शुक्ला और धीरेंद्र शुक्ला हैं, जबकि इसकी देख-रेख अखिल शुक्ला करते थे. आरोप है कि बिल्डिंग में सुरक्षा मानकों की भारी अनदेखी की गई थी. बिल्डिंग की ऊपरी मंजिल पर एनिमेशन सेंटर, नीचे पेट शॉप और गोदाम संचालित था. हादसे में 15 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 5 घायल हैं चौंकाने वाली बात यह भी है कि इसी बिल्डिंग में सुबह आग लगने की एक छोटी घटना पहले भी हो चुकी थी, जबकि पास की दूसरी बिल्डिंग में एक वर्ष पूर्व भी आग लगने का मामला सामने आया था. फिर भी जिम्मेदार खामोश बैठे रहे।

कितने फ्लोर की है ये बिल्डिंग

ये बिल्डिंग तीन फ्लोर की है. पहले फ्लोर पर पेट शॉप है. दूसरे फ्लोर पर ग्राफिक एनिमेशन का सेंटर है, जहां ग्राफिक एनिमेशन का काम होता है. साथ-साथ समर कैंप के तहत कुछ लोगों को सिखाया भी जाता है. टॉप फ्लोर पर लाइब्रेरी है. आग पहले सेकंड फ्लोर पर लगी, फिर तीनों फ्लोर को अपनी चपेट में ले लिया।

आग लगते ही लॉक हो गया गेट

प्रत्यक्षदर्शियों और स्थानीय लोगों के अनुसार, जिस बिल्डिंग हेड हॉपर 3ष्ठ आर्ट स्टूडियो में आग लगी, उसका मुख्य प्रवेश द्वार थंब इम्प्रेशन सिस्टम से संचालित होता था. आग लगने के बाद सिस्टम के प्रभावित होने से गेट ऑटोमैटिक लॉक हो गया, जिससे अंदर मौजूद लोग बाहर नहीं निकल सके. बताया जा रहा है कि आग मुख्य प्रवेश द्वार के पास लगी थी और बाहर निकलने का रास्ता भी वहीं से था, जिसके कारण कई लोग भीतर फंस गए।

इमरजेंसी एग्जिट और फायर सिस्टम का अभाव

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, बिल्डिंग में आपातकालीन निकास द्वार (इमरजेंसी एग्जिट) नहीं था. पूरी इमारत में आने-जाने के लिए केवल सीढ़ियों का एक ही रास्ता मौजूद था. इसके अलावा फायर सेफ्टी सिस्टम और अन्य सुरक्षा इंतजामों की भी पर्याप्त व्यवस्था नहीं थी. विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इमरजेंसी एग्जिट और अग्निशमन उपकरण मौजूद होते तो जानमाल का नुकसान काफी कम हो सकता था। जानकारी के अनुसार, जिस जमीन पर यह बिल्डिंग बनी है, वह वीरेंद्र शुक्ला के नाम बताई जा रही है. वहीं भवन का नक्शा सुरेंद्र शुक्ला और धीरेंद्र शुक्ला के नाम पर स्वीकृत बताया जा रहा है. तीनों आपस में सगे भाई हैं. स्थानीय लोगों के अनुसार बिल्डिंग की देख-रेख अखिल शुक्ला द्वारा की जाती थी. वीरेंद्र शुक्ला रामेश्वरम इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के मालिक हैं। बताया जा रहा कि वर्ष 2014 में आवासीय उपयोग के लिए स्वीकृत मानचित्र को बाद में व्यावसायिक उपयोग के लिए मंजूरी दी गई थी. लंबे समय से यहां पेट शॉप, लाइब्रेरी और एनिमेशन सेंटर का संचालन किया जा रहा था. अब यह सवाल उठ रहा है कि आखिर एलडीए ने मानकों के विपरीत भवन के उपयोग को कैसे अनुमति दी?

एनिमेशन सेंटर में लगी आग, जान बचाने के लिए कूदे लोग

बिल्डिंग के ऊपरी हिस्से में हेड हॉपर 3डी आर्ट स्टूडियो संचालित होता था, जबकि नीचे पेट शॉप थी. आग लगने के दौरान कई लोगों ने जान बचाने के लिए छज्जों और ऊंचाई से छलांग लगा दी. पेट शॉप में मौजूद जानवरों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया. कई घायलों को ट्रॉमा सेंटर भेजा गया, जबकि रेस्क्यू टीम गीले कंबल और स्ट्रेचर लेकर भीतर फंसे लोगों को बाहर निकालने में जुटी रही।

मुकदमे की तैयारी, सीएम ने दिए सख्त कार्रवाई के निर्देश

घटना का संज्ञान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लिया है. मामले की उच्चस्तरीय जांच के लिए टीम गठित की गई है. अलीगंज थाने में तहरीर दी जा चुकी है, जिसके आधार पर मुकदमा दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है. तहरीर में वीरेंद्र शुक्ला, सुरेंद्र शुक्ला और धीरेंद्र शुक्ला को नामजद किया गया है। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, जांच रिपोर्ट के आधार पर दोषियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया जा सकता है. साथ ही अग्निकांड वाली इमारत पर बुलडोजर कार्रवाई की संभावना भी जताई जा रही है. फिलहाल पूरे मामले की जांच उच्चस्तरीय अधिकारियों की निगरानी में जारी है।

पुलिस की बर्बरता नहीं रुकी तो कानून का राज खत्म हो जाएगा- पटना हाईकोर्ट

ब्यूरो प्रयागराज। पटना हाईकोर्ट ने कथित पुलिस हिरासत में यातना के एक गंभीर मामले में सख्त रुख अपनाते हुए बक्सर जिले के मुरार थाने के तत्कालीन थाना प्रभारी के खिलाफ स्न्ढ्ढक्र दर्ज करने का आदेश दिया। अदालत ने कहा कि यदि पुलिस की ऐसी बर्बरता पर अंकुश नहीं लगाया गया तो कानून का शासन और नागरिकों के जीवन एवं स्वतंत्रता की संवैधानिक सुरक्षा खतरे में पड़ जाएगी, तथा पुलिस का स्वरूप 'नाजी जर्मनी' की पुलिस जैसा हो सकता है। जस्टिस जितेंद्र कुमार की एकल पीठ उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें मुरार थाने के तत्कालीन थाना प्रभारी कमल नयन पांडेय के खिलाफ FIR दर्ज करने की मांग की गई। याचिकाकर्ता का आरोप है कि उसने थाना प्रभारी, पुलिस अधीक्षक और जिला पदाधिकारी को लिखित शिकायतें दीं, लेकिन इसके बावजूद कोई स्न्ढ्ढक्र दर्ज नहीं की गई। याचिका के अनुसार 4 जुलाई 2024 को वह अपने भूमि संबंधी दस्तावेजों को ऑनलाइन अपलोड कराने के लिए चौगाई गांव में अपने एक मित्र की दुकान पर गया। इसी दौरान थाना प्रभारी वहां पहुंचे और पहचान पूछने के बाद कथित रूप से जातिसूचक टिप्पणियां करते हुए डंडे से उसकी पिटाई कर दी, जिससे उसके दोनों पैरों में फ्रैक्चर हो गया। अदालत के समक्ष एक्स-रे रिपोर्ट पेश की गई, जिसमें दोनों पैरों में फ्रैक्चर की पुष्टि हुई। राज्य सरकार ने भी अपने जवाब में इस तथ्य का खंडन नहीं किया। हालांकि पुलिस का दावा था कि बारिश के कारण फिसलने से याचिकाकर्ता को चोट लगी थी और उसके साथ कोई मारपीट नहीं हुई। हाईकोर्ट ने पुलिस की इस दलील को स्वीकार करने से इनकार किया। अदालत ने कहा, 'एक्स-रे रिपोर्ट में दिखाई देने वाली दोनों पैरों की हड्डियां टूटने की स्थिति पुलिस के इस स्पष्टीकरण पर विश्वास करने के लिए प्रेरित नहीं करती। यह मानना भी कठिन है कि एक गरीब व्यक्ति, जो सामान्य नागरिक के खिलाफ FIR दर्ज कराने का साहस नहीं जुटा पाता, वह किसी पुलिस अधिकारी के खिलाफ झूठा आरोप लगाएगा। अदालत ने माना कि याचिका में लगाए गए आरोप प्रथम दृष्टया गंभीर संज्ञेय अपराध का खुलासा करते हैं। ऐसे मामलों में इस स्तर पर आरोपों की सत्यता की जांच नहीं की जाती, बल्कि यह देखा जाता है कि FIR दर्ज करने योग्य मामला बनता है या नहीं। पीठ ने यह भी स्पष्ट किया कि आरोपी पुलिस अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई के लिए किसी पूर्व सरकारी अनुमति की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि किसी गरीब व्यक्ति के साथ इस प्रकार की कथित बर्बरता को सरकारी कर्तव्य का हिस्सा नहीं माना जा सकता। अदालत ने वरिष्ठ अधिकारियों की निष्क्रियता पर भी गंभीर चिंता जताई। हाइकोर्ट ने कहा कि पुलिस अधीक्षक और जिला पदाधिकारी तक शिकायत पहुंचने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई। अदालत ने टिप्पणी की, 'व्यक्ति कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, कानून सबसे ऊपर है। कानून के समक्ष समानता और सभी को समान संरक्षण का अधिकार हर नागरिक को प्राप्त है, चाहे वह कितना भी गरीब क्यों न हो। हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता को मजिस्ट्रेट के समक्ष वैकल्पिक उपाय अपनाने के लिए भेजने से भी इनकार किया। अदालत ने कहा कि इस चरण पर उसे उस प्रक्रिया की ओर भेजना उसके साथ और अधिक अन्याय होगा। पीठ ने माना कि मामले में संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार के उल्लंघन का स्पष्ट आरोप है। अदालत ने कहा कि यदि ऐसे मामलों में FIR दर्ज करने का आदेश नहीं दिया गया तो जनता का विश्वास पुलिस व्यवस्था और संवैधानिक अदालतों दोनों से उठ सकता है। अपने कड़े शब्दों वाले आदेश में हाईकोर्ट ने कहा, 'यदि ऐसे आचरण पर नियंत्रण नहीं किया गया और इसे रोका नहीं गया तो कानून का शासन तथा नागरिकों के जीवन और स्वतंत्रता की संवैधानिक सुरक्षा समाप्त हो जाएगी और राष्ट्रीय पुलिस का स्वरूप नाजी जर्मनी की पुलिस जैसा हो सकता है। 'अदालत ने पुलिस महानिदेशक को 30 दिनों के भीतर अनुपालन रिपोर्ट हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल के समक्ष प्रस्तुत करने का भी निर्देश दिया।।

पुलिस 'नाजी जर्मनी' जैसी बन सकती है

संक्षिप्त ख़बरें

सर्पदंश से किशोरी की मौत

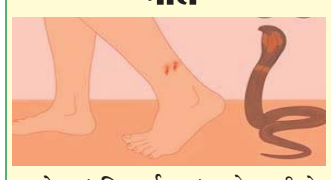

लोटन(सिद्धार्थनगर)। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम एकडेगवा में एक पन्द्रह वर्षीय किशोरी की सर्पदंश से मौत होने का घटना सामने आई है। घटना शनिवार देर रात की बताई जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार आंचल(15) पुत्री बबलू घर के बाहर खेल रही थी कि इसी बीच उसे जहरीले सांप ने काट लिया। लड़की रोती चिल्लाती आकर परिजनों से बताई। परिजन उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लोटन ले गए। जहां पर उपचार के दौरान मौत हो गई।

तहसील दिवस पर आये आवेदन पत्रो के निस्तारण की डीएम के टेस्टिंग में फेल

18 राजस्व निरीक्षकों लेखपालो को प्रतिकूल प्रविष्टि कारण बताओ नोटिस।

ब्यूरो प्रयागराज। तहसील फूलपुर, प्रयागराज में सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान जिलाधिकारी श्री मनीष कुमार वर्मा द्वारा विगत तहसील दिवस के निस्तारित प्रकरणों में से रैण्डम आधार पर 51 निस्तारित प्रकरणों का परीक्षण 17 जिला स्तरीय अधिकारियों से कराया गया, जिसमें 21 ऐसे प्रकरण पाये गये जो जिला स्तरीय अधिकारियों के परीक्षण में शिकायतकर्ताओं से असंतोषजनक फीडबैक प्राप्त हुआ। जिलाधिकारी के निर्देश क्रम में बगैर स्थलीय निरीक्षण किये कार्मिकों को विभागीय कार्यवाही, सतही आख्या प्रस्तुत करने वाले कार्मिकों को प्रतिकूल प्रविष्टि एवं संतोषजनक आख्या न प्रस्तुत करने वाले कार्मिकों कठोर चेतावनी निर्गत किये जाने के निर्देश दिये गये है, जिसका विवरण निम्नवत् हैः-

1- श्री विमलेश कुमार यादव, उप खण्ड अधिकारी, सिकन्दरा-प्रतिकूल प्रविष्टि

2-श्रीमती अर्चना यादव, लेखपाल फूलपुर-कारण बताओ नोटिस

3-श्री अजीत कुमार, लेखपाल, फूलपुर-विभागीय कार्यवाही

4-श्री राजेन्द्र प्रसाद, राजस्व निरीक्षक फूलपुर-कारण बताओ नोटिस

चेन्नई: फैक्ट्री में अमोनिया गैस रिसाव से हड़कंप

● तमिलनाडु के तिरुवल्लूर जिले के पेरीपालयम स्थित एक झींगा प्रोसेसिंग फैक्ट्री में अमोनिया गैस रिसाव से हड़कंप मच गया

इस दुर्घटना में 7 लोगों की मौत हो गई, जिनमें 6 मजदूर शामिल हैं, जबकि 10 से अधिक गंभीर हालत में चेन्नई के स्टेनली अस्पताल में इलाजरत हैं

7 की मौत और 10 की हालत गंभीर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चेन्नई: तमिलनाडु के तिरुवल्लूर जिले में पेरीपालयम के पास एक कारखाने में अमोनिया गैस रिसाव से हड़कंप मच गया। गैस रिसाव की चपेट में आने से कई लोगों की तबीयत बिगड़ गई, जिससे उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां इलाज करा रहे सात लोगों की मौत हो गई है। 10 से अधिक लोग गंभीर हालत में हैं और चेन्नई के स्टेनली अस्पताल के गहन चिकित्सा इकाई में उनका इलाज चल रहा है। इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है.।तिरुवल्लूर जिले के पेरीपालयम के पास एक झींगा प्रसंस्करण कारखाना चल रहा है। इसमें कई मजदूर काम करते हैं. आज सुबह जब मजदूर काम कर रहे थे, अचानक अमोनिया गैस का रिसाव होने लगा, जिससे कई मजदूरों को सांस लेने में दिक्कत होने लगी और उनकी तबीयत बिगड़ गई।

सात लोगों की मौत

इस घटना में अमोनिया गैस रिसाव के कारण 45 से अधिक मजदूर बेहोश हो गए. उन्हें तुरंत इलाके के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया. बताया जा रहा है कि बेहोश हुए कुछ लोगों के मुंह और नाक से खून भी बह रहा है. कुल 7 लोगों की मौत हो गई है, जिनमें 6 मजदूर शामिल हैं. कुछ लोगों का चेन्नई के स्टेनली अस्पताल में इलाज चल रहा है।

राज्यपाल ने जताया दुख

तमिलनाडु के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने इस घटना पर शोक व्यक्त किया है. राज्यपाल कार्यालय द्वारा जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि तिरुवल्लूर जिले के पेरियापलायम के पास कन्निकैपैयार गांव में स्थित झींगा प्रसंस्करण कारखाने में हुई अमोनिया गैस रिसाव की दुखद घटना से मैं अत्यंत व्यथित हूं, जिसमें अनेक लोगों की जान चली गई और कई श्रमिक घायल हो गए इस त्रासदी में अपनों को खोने वाले परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है. मैं प्रार्थना करता हूं कि उन्हें इस कठिन समय में शक्ति और साहस मिले. मैं यह भी प्रार्थना करता हूं कि उपचार करा रहे सभी लोग शीघ्र स्वस्थ हो जाएं।

न्यायालय परिसर में महिला आरक्षी से अभद्रता कर पीटा, वर्दी फाड़ी

बलरामपुर। जनपद न्यायालय परिसर में ड्यूटी पर तैनात एक महिला आरक्षी के साथ अभद्रता, पिटाई और सरकारी कार्य में बाधा डालने का मामला सामने आया है। आरोपी ने महिला की वर्दी भी फाड़ दी। पीड़िता की तहरीर पर देहात कोतवाली पुलिस ने आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। महिला आरक्षी पूजा अवस्थी ने पुलिस अधीक्षक विकास कुमार को दिए गए प्रार्थना पत्र ने कहा है कि न्यायालय सुरक्षा में तैनात हैं। उन्होंने दर्ज कराई गई रिपोर्ट में बताया कि 11 मार्च 2026 की शाम करीब चार बजे वह एडीआर भवन परिसर में ड्यूटी कर रही थीं।इसी दौरान सीतापुर जनपद निवासी युवराज उर्फ पवन पांडेय वहां पहुंच गया और उनसे अभद्र व्यवहार करने लगा। आरोप है कि विरोध करने पर आरोपी ने गाली-गलौज करते हुए महिला आरक्षी के साथ मारपीट शुरू कर दी। उसने उन्हें जबरन अपने साथ ले जाने का प्रयास किया। महिला आरक्षी द्वारा ड्यूटी का हवाला देकर साथ जाने से इनकार करने पर आरोपी और आक्रोशित हो गया। उनकी वर्दी की पट्टी, डोरी और कंधे का हुक फाड़ दिया। पीड़िता का आरोप है कि घटना का वीडियो बनाने के लिए जब उन्होंने मोबाइल निकाला तो आरोपी ने मोबाइल छीनकर जमीन पर पटक दिया, जिससे वह क्षतिग्रस्त हो गया। इसके बाद आरोपी ने उन्हें और उनके मायके पक्ष को गंभीर परिणाम भुगतने तथा जान से मारने की धमकी दी। महिला आरक्षी ने बताया कि घटना से उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची है और वह स्वयं को असुरक्षित महसूस कर रही हैं। तहरीर के आधार पर देहात कोतवाली की पुलिस ने आरोपी के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा डालने, मारपीट, धमकी और अन्य संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्रभारी निरीक्षक गिरजेश तिवारी का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है तथा साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

सूखती फसलों को मिला 'जीवनदान': किसानों की गुहार पर जागा सिंचाई विभाग, कोहरगड्डी बांध से छोड़ा गया पानी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पचपेड़वा (बलरामपुर)। विकासखंड पचपेड़वा के ग्राम पंचायत बीरपुर सेमरा और आस-पास के गांवों में मौसम की बेरुखी से मचा हाहाकार अब राहत में बदल गया है। लंबे समय से बारिश न होने के कारण खेतों में दरारें पड़ने लगी थीं और किसानों की खून-पसीने से तैयार धान की नर्सरी पानी के अभाव में दम तोड़ रही थी। फसलें सूखकर बर्बाद होने की कगार पर थीं, जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान का डर सता रहा था।

ग्रामीणों की एकजुटता रंग लाई संकट गहराता देख बीरपुर सेमरा व आस-पास के ग्रामीणों ने एकजुट होकर सिंचाई विभाग के अधिकारियों से संपर्क किया। किसानों ने दोटूक शब्दों में चेतावनी दी कि यदि कोहरगड्डी बांध का पानी तुरंत नहरों में नहीं छोड़ा गया, तो पूरे इलाके की फसलें पूरी तरह चौपट हो जाएंगी।

विभाग की त्वरित कार्रवाई से किसानों में हर्ष किसानों की इस गंभीर समस्या को देखते हुए सिंचाई विभाग ने तत्काल संज्ञान लिया। अधिकारियों के निर्देश पर बिना समय गंवाए कोहरगड्डी बांध से नहरों में पानी छोड़ दिया गया। खेतों को मिला नया जीवनः जैसे ही सूखी नहरों में पानी की कलकल गूंजी, बीरपुर सेमरा समेत तमाम गांवों के किसानों के चेहरे खिल उठे।

युद्ध स्तर पर सिंचाईः खेतों में पानी पहुंचते ही सिंचाई का काम तेजी से शुरू हो गया, जिससे दम तोड़ती फसलों को नया जीवन मिल गया है। 'समय रहते पानी मिलने से हमारी डूबती उम्मीदों को सहारा मिल गया है। अगर दो-चार दिन और पानी न मिलता, तो हमारी पूरी मेहनत मिट्टी में मिल जाती।'

भ्रष्टाचार छिपाने हेतु जांच अधिकारी अरुण कुमारपटेल नही प्रेषित कर रहे जांच रिपोर्ट

● जांच अधिकारी अरुण पटेल के बिगड़े बोल नहीं दी जाएंगी आख्या कार्य होगा शून्य

● सुविधा शुल्क के बोझ तले दबे बीडीओ -सचिव/रोजगार सेवक पर कार्रवाई करने को कांप रहे हाथ नहीं रूक रही है फर्जी हाजिरी ग्राम पंचायत नरहरपुर में

● जांच अधिकारी रुपया लेकर मामले को रफा दफा करना चाह रहे हैं हनी भरे तालाब में रोजगार सेवक लग रहा हैफ़र्जी हाजिरी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले केकप्तानगंज ब्लॉक के नरहरपुर गांव में तालाब खुदाई कार्य में मनरेगा के तहत बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार की शिकायत सामने आई थी। इस मामले को समाचार पत्रों में प्रमुखता से प्रकाशित किए जाने के बाद,जिला ग्राम्य विकास अभिकरण बस्ती ने कड़ा रुख अपनाया था और खंड विकास अधिकारी कप्तानगंज से स्पष्टीकरण तलब किया था।बीडीओ कप्तानगंज ने मामले की गंभीरता को देखते हुए एक जांच अधिकारीअरुण कुमार पटेल को मौके पर भेजकर जांच तो करवा ली, लेकिन एक सप्ताह से अधिक का समय बीत जाने के बाद भी जांच अधिकारीअरुण कुमार पटेल ने अपनी रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को नहीं सौंपी है।प्राप्त समाचार के अनुसार बीडीओ कप्तानगंज के मातहत क्रमचारी ग्राम पंचायत नरहरपुर के पानी भरे तालाब में लगी फर्जी हाजिरी की जांच तो कर लिया है । किन्तु एक सप्ताह बाद भी आख्या प्रेषित नही किया गया है।

उनका यह रवैया बेहद गैर-जिम्मेदाराना है। स्थानीय स्तर पर चर्चा है कि जांच आख्या को दबाने और मामले को ठंडे बस्ते में डालने के लिए जानबूझकर हीला-हवाली की जा रही है वही जांच अधिकारी अरुण कुमारपटेल के बोल भी बदले-बदले नजर आ रहे हैं। मीडिया से बातचीत में जांच अधिकारी अरुण कुमारपटेल ने बताया कि 'आख्या नहीं दी जाएगी और कार्य शून्य होगा', जिससे पूरी जांच प्रक्रिया की निष्पक्षता पर गंभीर सवालिया निशान खड़े हो गए हैं। चर्चाओं का बाजार गर्म है कि सुविधा शुल्क के भारी बोझ तले दबे होने के कारण जिम्मेदार अधिकारी सचिव और रोजगार सेवक पर कार्रवाई करने से कतरा रहे हैं ।

यह रिपोर्ट साफ तौर पर दर्शाती है कि कैसे धरातल पर भ्रष्टाचार की जांच को दबाने के लिए 'सुविधा शुल्क' और प्रशासनिक सांठगांठ का सहारा लिया जा रहा है, जिससे सरकारी धन का दुरुपयोग करने वाले दोषियों को शह मिल रही है । वहीं बीडीओ का सचिव व रोजगार सेवक पर कानूनी कार्रवाई करने को हाथ कांप रहे हैं। सचिव रोजगार सेवक सुनील कुमार तथा प्रधान के द्वारा फर्जी हाजिरी लगाने का आरोप सत्य पाया गया लेकिन आज तक वीडियो द्वारा कार्रवाई क्यों नहीं किया गया गम्भीर सवाल खड़ा हो रहा है।

योग - स्वस्थ जीवनशैली का भारतीय दर्शन

भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर योग आज संपूर्ण विश्व के लिए कल्याण का मार्ग प्रशस्त कर रही है। प्रतिवर्ष 21 जून को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस अब केवल भारत की सांस्कृतिक सीमाओं में बंधा उत्सव नहीं है, बल्कि यह वैश्विक धरातल पर स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन और समग्र आरोग्यता का एक विराट जन-आंदोलन बन चुका है। वर्ष 2026 में संपूर्ण विश्व इस ऐतिहासिक यात्रा का 12वां वार्षिक आयोजन देख रहा है। इस महान वैश्विक यात्रा की औपचारिक शुरुआत 21 जून 2015 को हुई थी, जब प्रथम बार समस्त विश्व ने एक सुर में योग की महत्ता को अंगीकार करते हुए इसके सार्वभौमिक स्वरूप का उत्सव मनाया था। इस वर्ष का केंद्रीय विचार स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग निर्धारित किया गया है, जो समकालीन वैश्विक समाज की एक अत्यंत संवेदनशील और अनिवार्य आवश्यकता को रेखांकित करता है। चिकित्सा विज्ञान की प्रगति के कारण निरंतर बढ़ती जीवन प्रत्याशा, तीव्र गति से बदलती जीवनशैली, मानसिक एकाकीपन और बढ़ती हुई स्वास्थ्य चुनौतियों के मध्य योग को एक ऐसी संजीवनी के रूप में देखा जा रहा है जो वयोवृद्ध जनों को एक सक्रिय, स्वस्थ और सम्मानजनक जीवन जीने का सुदृढ़ आधार प्रदान करता है।

योग भारत की उस पुरातन और सनातन ज्ञान परंपरा का अनमोल उपहार है जिसे हजारों वर्षों से भारतीय ऋषियों, मनीषियों और योगियों ने अपने तप से सींचा है। उनके अनुसार योग मात्र शारीरिक अंगों के संचालन या व्यायाम की एक पद्धति नहीं है, अपितु यह शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा के मध्य परम सामंजस्य स्थापित करने का एक उत्कृष्ट माध्यम है। योग का मूल ध्येय मानव को आंतरिक एवं बाह्य दोनों स्तरों पर संतुलित और शांत बनाना है। यह स्वयं को स्वयं से जोड़ने की एक आध्यात्मिक और वैज्ञानिक प्रक्रिया है, जिसमें आसनों की स्थिरता, प्राणायाम द्वारा प्राणवायु का नियमन, ध्यान की गहराई और एक अनुशासित दिनचर्या का सुंदर समन्वय होता है। आज आधुनिक चिकित्सा विज्ञान भी इस शाश्वत सत्य को स्वीकार कर चुका है कि योग केवल शरीर को लचीला बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने, भावनात्मक उथल-पुथल को शांत करने और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने में भी अत्यंत प्रभावी सिद्ध हुआ है।

इस वैश्विक आंदोलन की स्थापना की पृष्ठभूमि अत्यंत गौरवशाली रही है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को वैश्विक पटल पर स्थापित करने का दूरदर्शी विचार भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 27 सितंबर 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा के 69वें सत्र में अपने ऐतिहासिक संबोधन के दौरान संपूर्ण विश्व के सम्मुख प्रस्तुत किया था। उन्होंने योग को संपूर्ण मानवता के लिए एक ऐसी अमूल्य साझा विरासत बताया था जो प्रकृति और मनुष्य के बीच सामंजस्य, स्वास्थ्य और वैश्विक शांति का मार्ग दिखाती है। इस अभिनव प्रस्ताव को वैश्विक समुदाय का अभूतपूर्व समर्थन प्राप्त हुआ। परिणामस्वरूप, मात्र कुछ ही महीनों के भीतर 11 दिसंबर 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने भारी बहुमत से प्रस्ताव संख्या 69/131 को पारित करते हुए 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में घोषित कर दिया। इस प्रस्ताव का सबसे विस्मयकारी पक्ष यह था कि विश्व के 177 देशों ने इसके सह-प्रायोजक के रूप में अपनी लिखित सहमति दी थी, जो संयुक्त राष्ट्र संघ के संपूर्ण इतिहास में किसी भी महासभा प्रस्ताव को प्राप्त होने वाला अब तक का सबसे व्यापक और तीव्र समर्थन माना जाता है। इसके पश्चात 21 जून 2015 को संपूर्ण विश्व में प्रथम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस अत्यंत उत्साह के साथ मनाया गया और तब से यह निरंतर प्रगति पर है।

योग दिवस के भव्य आयोजन के लिए 21 जून की तिथि का चयन भी आकस्मिक नहीं था, वरन इसके पीछे एक अत्यंत गहन वैज्ञानिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक दृष्टिकोण निहित था। खगोलीय विज्ञान के अनुसार यह तिथि उत्तरी गोलार्ध में वर्ष का सबसे लंबा दिन होती है, जिसे ग्रीष्म संक्रांति के नाम से जाना जाता है। इस विशिष्ट खगोलीय घटना के पश्चात सूर्य दक्षिणायन की ओर प्रवृत्त होता है। भारतीय आध्यात्मिक और यौगिक परंपरा में संक्रमण के इस कालखंड को अत्यधिक महत्वपूर्ण माना गया है। इसे ऊर्जा के रूपांतरण, आत्मिक शुद्धि, ध्यान साधना की सिद्धि और चेतना के उच्च स्तरों को जाग्रत करने के लिए सर्वोत्तम माना जाता है। योग दर्शन के पौराणिक आख्यानों में यह भी मान्यता है कि

इसी संक्रांति काल के आसपास आदिगुरु शिव ने अपने प्रथम सात शिष्यों अर्थात सप्तऋषियों को योग का परम ज्ञान देना प्रारंभ किया था, जिससे वे साक्षात् आदियोगी बने। अतः इस पावन दिवस का चयन प्रकृति और अध्यात्म के अद्भुत मिलन का प्रतीक है।

वर्ष 2026 का यह 12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस इस दृष्टिकोण से एक ऐतिहासिक उपलब्धि सिद्ध हो रहा है क्योंकि इसका मुख्य ध्यान वयोवृद्ध आबादी के कल्याण पर केंद्रित है। वर्तमान समय में विश्व के अधिकांश विकसित और विकासशील देशों में वृद्धजनों की जनसंख्या अत्यंत तीव्र गति से बढ़ रही है। उन्नत चिकित्सा प्रणालियों और सुधरते जीवन स्तर ने मनुष्यों की आयु को तो दीर्घ बना दिया है, किंतु केवल आयु की दीर्घता ही जीवन की सार्थकता की कसौटी नहीं हो सकती। वास्तविक आवश्यकता इस बात की है कि मनुष्य अपने जीवन के अंतिम पड़ाव में भी शारीरिक रूप से आत्मनिर्भर, मानसिक रूप से सजग और भावनात्मक रूप से प्रफुल्लित रहे। योग इसी आवश्यकता की शत-प्रतिशत पूर्ति करता है। वृद्धावस्था में शरीर की मांसपेशियां शिथिल होने लगती हैं, जोड़ों की गतिशीलता घटने लगती है और तंत्रिका तंत्र कमजोर होने लगता है। नियमित योगाभ्यास इन सभी विसंगतियों को दूर कर शरीर का संतुलन बेहतर बनाता है, जिससे इस अवस्था में गिरने या चोटिल होने की दुर्घटनाएं न्यूनतम हो जाती हैं। इसके साथ ही यह रक्तचाप को नियमित रखने, हृदय की कार्यप्रणाली को सुचारू बनाने और फेफड़ों की श्वसन क्षमता को उत्कृष्ट रखने में महती भूमिका निभाता है।

शारीरिक लाभों से इतर, समकालीन युग में मानसिक स्वास्थ्य की चुनौतियां भी विकराल रूप धारण कर चुकी हैं। अवसाद, अत्यधिक चिंता, तनाव और विशेष रूप से वृद्धजनों में देखा जाने वाला अकेलापन आज के समाज की मूक त्रासदियां हैं। जब जीवन की संध्या बेला में व्यक्ति स्वयं को समाज या परिवार से कटा हुआ महसूस करता है, तब योग के अंग जैसे प्राणायाम और ध्यान उसके अंतर्मन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। ध्यान की निरंतर साधना से मस्तिष्क में शांति का प्रादुर्भाव होता है, जिससे मानसिक स्थिरता बढ़ती है और व्यक्ति जीवन की अपरिहार्य परिस्थितियों का सामना अधिक धैर्य और संतुलन के साथ करने में सक्षम होता है। यौगिक क्रियाएं शरीर में प्रसन्नता प्रदान करने वाले प्राकृतिक रसायनों के स्राव को बढ़ाती हैं, जो मानसिक व्याधियों के शमन में सहायक हैं। यही कारण है कि आधुनिक चिकित्सा विज्ञान भी योग को मानसिक स्वास्थ्य सुधारने के प्रभावी साधनों में शामिल कर रहा है।

भारतीय योग पद्धति की सबसे बड़ी विशेषता इसकी विविधता और सर्वसमावेशी प्रकृति है। इसके अंतर्गत विभिन्न प्रवृत्तियों वाले मनुष्यों के लिए अलग-अलग मार्ग सुझाए गए हैं। हठ योग जहां शारीरिक शुद्धि और प्राणों के संतुलन पर बल देता है, वहीं राजयोग मन के नियंत्रण, आत्मानुशासन और ध्यान की उच्चतम अवस्था की ओर ले जाता है। कर्मयोग मनुष्य को फल की इच्छा के बिना समाज के प्रति निःस्वार्थ भाव से कर्तव्य पालन की सीख देता है, जिससे अहंकार का नाश होता है। भक्ति योग पूर्ण समर्पण, प्रेम और ईश्वर के प्रति अगाध श्रद्धा का मार्ग है, जो हृदय को शुद्ध करता है। ज्ञान योग आत्मचिंतन, विवेक और सत्य की खोज के माध्यम से अज्ञानता के अंधकार को दूर करता है। इन सभी विविध धाराओं का अंतिम और साझा उद्देश्य मानव के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करना और उसे मोक्ष अथवा परम शांति की ओर अग्रसर करना है।

इस वर्ष 2026 में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का मुख्य राष्ट्रीय समारोह पश्चिम बंगाल की ऐतिहासिक नगरी कोलकाता में आयोजित किया जा रहा है। हुगली नदी के तटों और कोलकाता के विशाल मैदानों में जब हजारों साधक एक साथ बैठकर प्राणायाम और योगासनों का अभ्यास करेंगे, तो वह दृश्य संपूर्ण विश्व को भारत की इस पावन विद्या की शक्ति का दिग्दर्शन कराएगा। कोलकाता के इस केंद्रीय आयोजन के साथ-साथ देश के प्रत्येक राज्य, जनपद, ग्राम पंचायत, शैक्षणिक संस्थानों, सेना के प्रतिष्ठानों और विदेशों में कार्यरत भारतीय दूतावासों में भी व्यापक स्तर पर सामूहिक योग सत्रों का आयोजन सुनिश्चित किया गया है। यह इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि योग अब किसी एक धर्म, जाति, देश या संस्कृति की सीमा में आबद्ध नहीं रहा, बल्कि यह वैश्विक स्वास्थ्य नीति और जन-कल्याण का एक अनिवार्य घटक बन चुका है।

आज के इस आधुनिक दौर में जब संपूर्ण मानवता अनियंत्रित दिनचर्या जनित रोगों, मानसिक विकारों, पर्यावरण असंतुलन और सामाजिक तनावों से घिरी हुई है, तब योग एक अत्यंत सुलभ, बिना किसी मूल्य वाले और सार्वभौमिक समाधान के रूप में प्रकाश स्तंभ की भांति खड़ा है। इसके लिए किसी महंगे संसाधन अथवा कृत्रिम उपकरणों की आवश्यकता नहीं होती। इसे समाज का कोई भी व्यक्ति, चाहे वह किसी भी आयु वर्ग, लिंग अथवा आर्थिक पृष्ठभूमि का हो, सहजता से सीख और अपना सकता है। योग की यही सरलता और प्रासंगिकता इसे सर्वव्यापी बनाती है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस हमें केवल 21 जून के दिन प्रतीकात्मक रूप से योग करने की प्रेरणा नहीं देता, बल्कि इसका वास्तविक संदेश योग को अपनी दैनिक जीवनशैली का अभिन्न अंग बनाना है। यदि प्रत्येक नागरिक प्रतिदिन मात्र कुछ समय योग के लिए समर्पित करे, तो वह न केवल अपने व्यक्तिगत स्वास्थ्य को उन्नत बना सकता है, बल्कि एक स्वस्थ, ऊर्जावान और समरसता पूर्ण समाज के निर्माण में भी अपना अमूल्य योगदान दे सकता है। अंततः, वर्ष 2026 का यह उत्सव मानवता को एक स्वर्णिम संदेश दे रहा है कि योग ही स्वस्थ जीवन और आनंदमय भविष्य का एकमात्र सुरक्षित मार्ग है।

महेन्द्र तिवारी

भारतीय दर्शनशास्त्र का अद्भुत उपहार योग शरीर से आत्मा तक का सफर योगाभ्यास

योग स्वयं के माध्यम से आत्मा की यात्रा मार्ग हैद्य अर्वाचीन भारतीय दर्शन शास्त्र की पाठशाला में एक महत्वपूर्ण एवं अद्भुत शिक्षा योग भी हैद्य योग शब्द मूलतः संस्कृत की भाषा से उपजा शब्द है। योग शब्द की उत्पत्ति संस्कृत के शब्द 'युज,से हुई है इसके दो अर्थ है पहला अर्थ जोड़ना तथा दूसरा बहुत ही वृहद व्यापक शब्द अनुशासन है। योग से उसके अभ्यास के कारण शरीर तथा मस्तिष्क में एक सामंजस्य और संबंध बन जाता है, जिससे मस्तिष्क शांत तथा अनुशासित रहता हैं। यह व्यायाम का ही एक अंग है,जिससे शरीर तथा मन नियंत्रित रह कर जीवन को परिस्थितियों के अनुकूल एवं सफल बनाता है। योग स्वस्थ जीवन जीने का एक विज्ञान है। यह एक प्रकार की यौगिक औषधि है, वह हमारे शरीर के काम करने के तरीकों को धीरे-धीरे बेहतर कर शिथिल अंगों को स्वयं हल्के हल्के ठीक कर देता है।

निरोगी काया श्रेष्ठ जीवन का वरदान होती है। यदि आप निरोगी और स्वस्थ हैं तो आप सफलतम व्यक्ति बन सकते हैं धन लिप्सा आकांक्षा लालच से योग मुक्त कर एक खुशनुमा जीवन जीने की जीजिविषा तथा जुजुस्ता पैदा करता है। योग जीवन की एक कला है जो वर्तमान परिवेश में और भौतिक जगत में अत्यंत प्रासंगिक भी है। योग हमें शारीरिक तथा मानसिक रूप से स्वस्थ रखने का एक सशक्त माध्यम है हम सबको, आपको लगता है कि आज के आधुनिक जीवन में हमें एक बहुत अस्त व्यस्त तथा मानसिक असंतुलन वाली जीवन शैली मिली है। यह सभी अनियमित भोजन की आदतों, अभाव या अनुचित नींद या लंबे समय तक कठोर श्रम करने के कारण प्राप्त हुई है। नई पीढ़ी के बच्चे, युवा स्वस्थ जीवन शक्ति सार्वजनिक लचीलापन ऊर्जा और रोगों के लिए प्रतिरोधात्मक क्षमता की खोज में लगे हुए है,और सही सहीं माना जाए तो इन सब का जवाब योग अभ्यास में ही है।

योग के आसन प्राणायाम और ध्यान से संयमित शरीर और आत्मा के साथ संतुलित जीवन शैली को प्राप्त किया जा सकता है। और इस जीवन में हम अपने को शक्तिवान,ऊर्जावान महसूस करने लगते हैं। योगाभ्यास के जरिए न केवल बीमारियों से छुटकारा पाया जा सकता है बल्कि स्वयं के अंदर एक नई ऊर्जा का संचार भी किया जा सकता है। अपने बेडौल शरीर को भी योग अभ्यास के जरिए सही आकार में लाने का यह सर्वाधिक सुरक्षित आसान और कारगर तथा लागत विहीन जरिया है। योग्य के वैसे तो कर्म योग, भक्ति योग,ज्ञान योग, राजयोग और हठयोग भी अलग-अलग विभेद हैं, पर सभी पांचों योगों के अलग-अलग तरीके तथा अलग-अलग फायदे हैं।

कर्म योग सदैव दूसरों की सेवा के लिए प्रेरित करता है। और इसका मूल्य देश सामाजिक कल्याण यह समाज सेवा ही है। भक्ति योग हमें ईश्वर की साधना कैसे की जाए, यह पाठ पढ़ाता है ।भक्ति योग मनुष्य के अंदर हृदय तथा मस्तिष्क को संतुलित कर एक सकारात्मक ऊर्जा की ओर प्रेरित करता है।भक्ति योग एक प्रकार का मानसिक योग है जिससे मन शांत रहकर सहिष्णुता की उत्पत्ति होती है, यह अहिंसक मार्ग की ओर प्रेरित करता है। ज्ञान योग बुद्धि के विकास एकाग्रता बढ़ाने तथा सामाजिक ज्ञान विज्ञान की प्रेरणा देते एवं अध्ययन मनन में मनुष्य की सहायता करता है। राजयोग सर्वाधिक प्रचलित कथा लोकप्रिय योग है। यह योग की सबसे महत्वपूर्ण विधा है इसमें यम, नियम, आसन, प्राणायाम,प्रत्याहार धारणा और ध्यान या समाधि इसमें परम आनंद की प्राप्ति या मोक्ष प्राप्ति की विधाओं के बारे में विस्तृत वर्णन है।

योग का इतिहास पांच सौ साल पुराना है। पश्चिमी देशों के लोगों का परिचय योग से तब हुआ जब स्वामी विवेकानंद ने अपने शिकागो की यात्रा के समय लोगों को योग के महत्व के बारे में व्यापक रूप से बताया था। इसके बाद पूरे विश्व में योग के प्रचार प्रसार के लिए कई योग गुरु ने अनथक प्रयास कर योग को विश्वव्यापी फलक पर विराजमान किया। पहली बार अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2015 को मनाया गया। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने इसकी पहल कर 27 सितंबर 2014 को संयुक्त राष्ट्र संघ की आम सभा में अपने भाषण में उल्लेख कर इसे प्रतिपादित किया। उन्होंने अपने भाषण में कहा था कि योग शारीरिक तथा मानसिक सामंजस्य का अद्भुत सहयोग तथा तरीका है। यह मनुष्य तथा प्रकृति के बीच का एक सामंजस्य स्थापित करने वाला अद्भुत से सेतु है। और तब 11 दिसंबर 2014 को संयुक्त राष्ट्र संघ में उसके 177 सदस्यों द्वारा 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने की सहमति देकर इस प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की थी। इस प्रस्ताव को बहुत ही कम समय में मंजूरी प्रदान कर दी गई, जो कि संयुक्त राष्ट्र संघ के इतिहास की सबसे कम समय में दी गई मंजूरी थी।

योग के वैसे तो अनगिनत फायदे हैं। और हम यह कह सकते हैं कि योगाभ्यास ईश्वर द्वारा मानव सभ्यता को दिया गया अप्रतिम उपहार है। योग किसी चमत्कार से कम नहीं।जिन असाध्य बीमारियों का वर्तमान चिकित्सा पद्धति से इलाज नहीं हो पाता,योग उन बीमारियों को शनै शनै उपचार कर ठीक कर देता है। यह शारीरिक मानसिक शांति ऊर्जा शक्ति तो देता ही है, साथ में हमें आत्म संयम, आत्मबल तथा आत्मज्ञान से भी रूबरू कराता है। योग बहुत ही आसान व्यायाम है,यह दैनिक क्रियाओं के साथ स्वस्थ शरीर और मन की क्रिया है। नाड़ी शोधन, कपालभाति, शीतली, अनुलोम विलोम जैसी क्रियाओं से शरीर में प्राण वायु की संतुलित मात्रा बढ़ती है, एवं स्नायु तंत्र मजबूत होता है। कोरोना संक्रमण काल मे कपालभाति,अनुलोम विलोम, नाड़ी शोधन शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ाने के कारगर उपायों में गिना जाता रहा है, और इसने मरीजों की बहुत मदद भी की है। योग से रोगों की तीव्रता कम हो जाती है, तथा कई रोगों से छुटकारा भी मिल जाता है।अतः आप सभी को योग दिवस की शुभकामनाएं स्वस्थ रहें मस्त रहें निरोगी रहें।

संजीव ठाकुर

बाग़ी नेताः सिद्धांत या मजबूरी?

संपादक/लेखकः राजीव शुक्ला

उत्तर प्रदेश में एक नई बहस शुरू हो गई है कि समाजवादी पार्टी में एक बड़ी टूट होने जा रही है। एनडीए समर्थित कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने अपने ट्विटर अकाउंट से यह दावा किया है कि 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले सपा के 20 से 22 सांसद भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने के लिए तैयार बैठे हैं। सोशल मीडिया पर बाकायदा इनके नाम भी आ चुके हैं लेकिन अब इसमें कितना सच है और कितना झूठ ये तो वक्त ही बताएगा। हां ये तो आजकल की राजनीति में संभव है कि कुछ भी हो सकता है। जिन समाजवादी पार्टी के सांसदों के नाम लिये जा रहे हैं उन्होंने सोशल मीडिया पर आकर सफाई भी दी है कि भाई ऐसा कुछ नहीं है। उधर महाराष्ट्र मुंबई में भी उद्धव ठाकरे की शिव सेना पर भी ऐसे ही कुछ दावे किए जा रहे हैं। एकनाथ शिंदे ने स्पष्ट किया है आगे आगे देखो होता है क्या वहीं उद्धव ठाकरे ने कह दिया है कि बागी नेता सत्ता के साथ रहना चाहते हैं इसलिए ये टूट आसानी से की जातीं हैं। 'पार्टी छोड़ दी, लेकिन जनता की सेवा नहीं छोड़ी।' ये लाइन हर बाग़ी नेता के प्रेस कॉन्फ्रेंस में सुनाई देती है। लेकिन सच ये है कि 10 में से 8 बाग़ी नेता 6 महीने के अंदर सत्ता के साथ खड़े मिलते हैं। सवाल ये है - ये विचारधारा का संघर्ष है या सियासी सर्वाइवल का गणित? बाग़ी बनते क्यों हैं नेता इस पर एक ही सवाल सामने निकल कर आता है कि सब सत्ता की शरण में रहना चाहते हैं टिकट और पद न मिलने पर- चुनाव से 6 महीने पहले बगावत का मौसम शुरू होता है। जब हाईकमान किसी और को टिकट देता है, तो पुराना नेता 'सिद्धांतों से समझौता नहीं कर सकता' कहकर निकल लेता है। अंदरूनी गुटबाजी- पार्टी में दो खेमे बन जाते हैं। जो हारता है, वो अक्सर बाग़ी बन जाता है। महाराष्ट्र में शिंदे-ठाकरे और अजित पवार-शरद पवार दोनों इसी कहानी के दो हिस्से हैं। केंद्रीय जांच एजेंसियों का दबाव- ED, CBI, IT के नोटिस के बाद कई नेता पाला बदल लेते हैं। विपक्ष इसे 'वॉशिंग मशीन' कहता है। सत्ता पक्ष कहता है 'भ्रष्टाचार पर कार्रवाई हो रही है '।

सत्ता से बाहर रहने का डर- क्षेत्रीय नेता जानते हैं कि 5 साल विपक्ष में रहने का मतलब है फंड, ठेके, कार्यकर्ताओं का टूटना। इसलिए वो सत्ता के करीब रहते हैं। बाग़ी सत्ता के साथ क्यों लौटते हैं?

कार्यकर्ता साथ नहीं छोड़ता- नेता अकेले नहीं चलता। उसके साथ 200-300 कार्यकर्ता होते हैं। अगर वो 5 साल विपक्ष में रहा, तो कार्यकर्ता बेरोजगार हो जाते हैं। ठेके बंद, पुलिस केस, दबाव। इसलिए नेता कहता है 'जनता के हित में फैसला लिया '। विकास के नाम पर सौदेबाजी- 'अगर मैं सत्ता में नहीं रहूंगा तो मेरा क्षेत्र पिछड़ जाएगा।' ये नैरेटिव वोटर को भी समझ आता है। कई बार सत्ता पक्ष बाग़ी को मंत्री बना देता है, बदले में वो अपने 5-10 विधायक साथ ले आता है। कानूनी बचाव-

दलबदल विरोधी कानून में एक खामी है। अगर 2/3 विधायक साथ हों तो अयोग्यता नहीं लगती। ये 'विलय' कहलाता है। इसलिए बाग़ी पूरी गुटबंदी लेकर चलते हैं, अकेले नहीं। जनता की याददाश्त कमजोर होती है- 6 महीने बाद लोग

भूल जाते हैं कि नेता ने किस पर आरोप लगाए थे। अगले चुनाव में वही नेता सत्ता पक्ष के सिंबल पर खड़ा होता है और जीत भी जाता है। इससे लोकतंत्र को क्या नुकसान होता है? जनादेश का अपमान- तुमने 2019 में पार्टी, को वोट दिया। 2022 में विधायक पार्टी क्रमें चला गया। सरकार गिर गई। ये जनता का फैसला नहीं, विधायकों का सौदा बन जाता है। नीतियां अस्थिर होती हैं- 5 साल का प्रोजेक्ट 2 साल में बदल जाता है क्योंकि सरकार बदल गई। इंवेस्टर को भरोसा नहीं रहता। कार्यकर्ताओं का मनोबल टूटता है- जो 10 साल से पार्टी के लिए लड़ा, वो देखता है कि बाहर से आया नेता मंत्री बन गया। फिर अगली बार वो भी बगावत का मन बनाता है।

भरोसे का संकट- CSDS के सर्वे में 62% लोगों ने कहा कि 'नेता सिर्फ सत्ता के लिए पाला बदलते हैं '। ये अविश्वास लोकतंत्र की जड़ कमजोर करता है। क्या कहते हैं आंकड़े?

2014 से 2024 के बीच 450 से ज्यादा विधायक और सांसद ने पार्टी बदली। महाराष्ट्रः 2022-2024 में शिवसेना और NCP दोनों टूटीं। 40 से ज्यादा विधायक सत्ता पक्ष में चले गए। मध्य प्रदेशः 2020 में 22 कांग्रेस विधायक BJP में गए, सरकार गिर गई। बिहारः JDU ने 2017, 2022, 2024 में गठबंधन बदला। अधिकांश मामलों में बाग़ी नेता या तो मंत्री बने या बड़ी जिम्मेदारी मिली। क्या कोई रोक है? दलबदल विरोधी कानून 1985 बना था, लेकिनः- स्पीकर का फैसला सालों लटकता है। तब तक विधायक मजा लेता है। 2/3 वाली छूट ने कानून को बेअसर कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कई बार कहा कि स्पीकर 3 महीने में फैसला करें, लेकिन फॉलोअप नहीं होता। रास्ता क्या है? 2/3 वाली छूट खत्म करोः अगर विधायक पार्टी छोड़ता है तो सीट खाली घोषित हो। 6 महीने में उपचुनाव हो। जनता फिर फैसला करे। फंडिंग ट्रांसपेरेंट हो- नेताओं के पास अचानक पैसा कहां से आता है, इसका हिसाब हो। पार्टी में आंतरिक लोकतंत्र- अगर कार्यकर्ता को लगेगा कि उसकी सुनी जाती है, तो बगावत कम होगी। वोटर की जवाबदेही- जब बाग़ी नेता दोबारा आए तो वोटर पूछे - 'तुमने पार्टी बदली, मेरी समस्या बदली क्या?' बाग़ी नेता सत्ता के साथ रहना चाहते हैं क्योंकि राजनीति अब सेवा कम, सर्वाइवल ज्यादा बन गई है। नेता के पास दो रास्ते हैं - या तो 5 साल विपक्ष में रहकर लड़ो, या सत्ता के साथ रहकर काम करो। ज्यादातर दूसरा रास्ता चुनते हैं। समस्या नेता में नहीं, सिस्टम में है। जब तक दलबदल का फायदा नुकसान से ज्यादा होगा, तब तक ये सिलसिला नहीं रुकेगा। लोकतंत्र तभी मजबूत होगा जब वोटर ये समझ ले कि वोट व्यक्ति को नहीं, पार्टी और सिद्धांत को जाता है। और जब सिद्धांत बिक जाए, तो अगली बार उस चेहरे को नकार दे।

दैनिक राशिफल

मेष
आज आत्मविश्वास बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। धन संबंधी मामलों में सोच-समझकर निर्णय लें। परिवार का सहयोग मिलेगा।

वृषभ
आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है। रुके हुए कार्य पूरे होने के संकेत हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें और खान-पान में संयम बरतें।

मिथुन
नए लोगों से संपर्क लाभदायक रहेगा। नौकरी और व्यापार में प्रगति के अवसर मिल सकते हैं। अनावश्यक विवादों से बचें।

कर्क
भावनाओं पर नियंत्रण रखें। पारिवारिक मामलों में धैर्य से काम लें। विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल रहेगा।

सिंह
नेतृत्व क्षमता की प्रशंसा होगी। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलने के योग हैं। खर्चों पर नियंत्रण रखना आवश्यक होगा।

कन्या
योजनाबद्ध तरीके से काम करने से लाभ मिलेगा। पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

तुला
दांपत्य जीवन में मधुरता बढ़ेगी। साझेदारी के कार्यों में सफलता मिल सकती है। किसी शुभ समाचार की प्राप्ति संभव है।

वृश्चिक
कार्यभार अधिक रह सकता है, लेकिन मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा। निवेश के मामलों में विशेषज्ञ की सलाह लें।

धनु
भाग्य का साथ मिलेगा। यात्रा के योग बन सकते हैं। धार्मिक एवं आध्यात्मिक गतिविधियों में रुचि बढ़ेगी।

मकर
धन संबंधी मामलों में सावधानी रखें। नौकरी में वरिष्ठों का सहयोग मिलेगा। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा।

कुंभ
नई योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न करें।

मीन
रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। प्रेम संबंधों में सकारात्मकता रहेगी। आर्थिक मामलों में लाभ के संकेत हैं।

माता-पिता जागें तो पीढ़ी चमकेः नया सत्र, नया दायित्व-पत्र

[हर घर बने पाठशाला, हर अभिभावक बने शिक्षक]

[दस छोटे-छोटे फर्ज, एक बड़ी क्रांतिः माता-पिता और नई शिक्षा सत्र]

हर नए सत्र के साथ बच्चों के हाथों में किताबें आती हैं, लेकिन इस बार जिम्मेदारियों की एक नई पुस्तक माता-पिता के सामने भी खुल रही है। वर्षों तक शिक्षा को विद्यालय की सीमा में बांधकर देखा गया, जबकि अभिभावकों की भूमिका फीस और परिणाम तक सिमट गई। नई शिक्षा व्यवस्था ने यह दृष्टिकोण बदल दिया है। अब शिक्षा का केंद्र केवल कक्षा नहीं, घर भी है। माता-पिता दर्शक नहीं, बच्चे के भविष्य के शिल्पकार हैं। प्रश्न यह नहीं कि बच्चा क्या सीख रहा है, बल्कि यह है कि उसके निर्माण में परिवार कितना सहभागी है। 2026 का शिक्षा सत्र ऐसे दस महत्वपूर्ण दायित्वों की याद दिलाता है, जिनके बिना किसी भी पीढ़ी का भविष्य सशक्त नहीं बन सकता।

पहला कर्तव्य बच्चे को समझे बिना उसका भविष्य नहीं गढ़ा जा सकता। हर बच्चा अंकों का जोड़ नहीं, संभावनाओं का संसार है। उसकी जिज्ञासा, कल्पना और सपने ही उसकी पहचान हैं। विडंबना है कि आज कई अभिभावक केवल परिणाम देखते हैं। स्क्रीनों के दौर में माता-पिता का दायित्व है कि वे बच्चे को खेल, पुस्तकों और प्रकृति से जोड़ें। यह काम परिवार ही कर सकता है। बच्चे की प्रतिभा पहचानने वाले माता-पिता ही उसके भविष्य के शिल्पकार बनते हैं।

दूसरा कर्तव्य विद्यालय की दिशा तय करने में अभिभावकों की आवाज़ महत्वपूर्ण है। विद्यालय प्रबंधन समिति में 75 प्रतिशत भागीदारी केवल नियम नहीं, जिम्मेदारी है। बच्चों की सुरक्षा, शिक्षा की गुणवत्ता और शिक्षकों की जवाबदेही में उनकी भूमिका आवश्यक है। यदि वे मौन रहेंगे, तो बदलाव की उम्मीद कमजोर पड़ेगी। शिक्षा अभिभावकों की सहभागिता से आकार लेती है। आज की निष्क्रियता, भविष्य की उपेक्षा है।

तीसरा कर्तव्य बच्चे की पहली कक्षा घर से शुरू होती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति का 5+3+3+4 ढांचा बताता है कि शिक्षा की नींव शुरुआती वर्षों में घर पर पड़ती है। कहानियां, प्रश्न पूछने की आज़ादी, असफलता स्वीकारने का साहस और सीखने का आनंद–ये पाठ कोई पाठ्यपुस्तक नहीं सिखा सकती। संवादपूर्ण घर बच्चों को केवल जानकारी नहीं, समझ देता है। शिक्षा का पहला पाठ मां की गोद और पिता के आचरण से शुरू होता है।

चौथा कर्तव्य बच्चे को सबसे अधिक जरूरत समझे जाने की होती है। आज का बच्चा सुविधाओं के बीच भी अकेलेपन से जूझ रहा है। उसके भीतर डर, असुरक्षाएं और अनकहे सवाल हैं। इसलिए माता-पिता को केवल समझाने वाला नहीं, सुनने वाला बनना होगा। बच्चे की चुप्पी, गुस्से और सपनों को समझना ही सच्चा अभिभावकत्व है। जिस घर में विश्वास होता है, वहां बच्चे बड़ी चुनौतियों का सामना भी आत्मविश्वास से करते हैं। भावनात्मक सुरक्षा हर उपलब्धि की नींव है।

पांचवां कर्तव्य बच्चे के विकास की नींव घर और विद्यालय की एकजुटता है। शिक्षक और अभिभावक एक ही लक्ष्य के साझेदार हैं। नियमित संवाद, ईमानदार प्रतिक्रिया और परस्पर सम्मान से शिक्षा सार्थक बनती है। घर का छोटा व्यवहारिक बदलाव भी शिक्षक के लिए महत्वपूर्ण संकेत हो सकता है। जब घर और विद्यालय साथ चलते हैं, तभी बच्चे का विकास तेज़ होता है। शिक्षा में प्रतिस्पर्धा नहीं, सहयोग सबसे प्रभावी सूत्र है।

छठा कर्तव्य बच्चे की सबसे बड़ी विरासत संस्कार हैं। ज्ञान पुस्तकें दे सकती हैं, पर चरित्र का निर्माण परिवार ही करता है। ईमानदारी, अनुशासन, सहानुभूति, परिश्रम और नैतिक साहस पाठ्यक्रम नहीं, घर के वातावरण की देन हैं। यदि माता-पिता केवल करियर पर ध्यान देंगे और चरित्र को भूल जाएंगे, तो समाज डिग्रीधारियों से भर जाएगा, जिम्मेदार नागरिकों से नहीं। राष्ट्र का भविष्य पाठ्यक्रम नहीं, संस्कार तय करते हैं।

सातवां कर्तव्य स्वस्थ बच्चा ही बेहतर सीख सकता है। पर्याप्त नींद, पौष्टिक भोजन, नियमित खेलकूद और स्क्रीन-मुक्त समय अब विकल्प नहीं, आवश्यकता हैं। थका शरीर और तनावग्रस्त मन कभी श्रेष्ठ शिक्षा ग्रहण नहीं कर सकता। जब मानसिक स्वास्थ्य वैश्विक चुनौती बन चुका है, तब माता-पिता की सजगता सबसे बड़ा सुरक्षा कवच है। स्वस्थ शरीर और संतुलित मन ही शिक्षा की मजबूत नींव हैं।

आठवां कर्तव्य बदलते समय के साथ अभिभावकों का सीखते रहना जरूरी है। नई शिक्षा नीति, बदलते पाठ्यक्रम, तकनीकी बदलाव और डिजिटल चुनौतियों को समझे बिना सही मार्गदर्शन संभव नहीं। जो अभिभावक सीखना छोड़ देते हैं, वे बच्चों की दुनिया से दूर हो जाते हैं। बच्चे को आगे बढ़ाने का सरल उपाय है–स्वयं भी सीखते रहना। शिक्षित अभिभावक ही समय की दिशा पहचान पाते हैं।

नवां कर्तव्य बच्चों को दबाव नहीं, भरोसे की जरूरत है। प्रतिस्पर्धा के इस दौर में उन्हें आलोचक नहीं, सहारा चाहिए। तुलना, अपेक्षाएं और दबाव अनेक प्रतिभाओं को समय से पहले तोड़ देते हैं। माता-पिता को असफलताओं को भी सफलताओं जितनी सहजता से स्वीकार करना चाहिए। अपने सपनों का बोझ बच्चे पर डालना प्रेम नहीं, अन्याय है। उसे अपनी राह चुनने की स्वतंत्रता देना ही सच्चा समर्थन है।

दसवां कर्तव्य बच्चे के साथ निरंतर खड़े रहना ही सच्ची अभिभावकता है। शिक्षा किसी सत्र, कक्षा या परीक्षा तक सीमित नहीं, बल्कि जीवनभर चलने वाली प्रक्रिया है। माता-पिता का साथ केवल परिणामों तक नहीं होना चाहिए। संघर्ष, सफलता, भ्रम और उपलब्धि–हर मोड़ पर उनका सहयोग जरूरी है। यही निरंतरता विश्वास जगाती है, और वही विश्वास बच्चे को ऊंचाइयों तक पहुंचाता है। नया शिक्षा सत्र केवल शैक्षणिक कैलेंडर का नया पृष्ठ नहीं, बल्कि माता-पिता का दायित्व-पत्र है। आने वाली पीढ़ी का निर्माण केवल स्कूलों में नहीं, घरों में भी होगा। समय का संदेश स्पष्ट है–जागिए, भागीदारी कीजिए, मार्गदर्शक बनिए और अपने इन दस कर्तव्यों का निर्वहन कीजिए। क्योंकि भविष्य की सबसे महत्वपूर्ण कक्षा घर में लगती है, और उसके प्रथम शिक्षक माता-पिता होते हैं।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः**–उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2009/34814 मो0 नं0 -9511151254, E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

योग मन,शरीर और आत्मा को जोड़ने का विज्ञान- सिद्धार्थ सिंह

लालगंज,रायबरेली। कस्बे के बक्शी मेमोरियल पब्लिक स्कूल में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर विद्यालय प्रबंधन द्वारा योग शिविर का आयोजन किया गया जो प्रशिक्षित खेल अध्यापकों के दिशा निर्देशन में संपन्न हुआ। विद्यालय के प्रबंध निदेशक सुनील सिंह ने कहा कि योग के द्वारा शारीरिक गतिविधियों पर नियंत्रण कर हम अपना जीवन निरोगी बना सकते हैं इसलिए सभी को चाहिए कि प्रशिक्षित योग शिक्षक से सलाह लेकर ही शरीर को फिट रखने वाले योग करें। प्रबंधक शांतनु ने कहा कि निश्चय ही योग और खेलों का शारीरिक,मानसिक और सामाजिक क्षेत्र में अपना विशेष महत्व है इसलिए छात्र जीवन में तो योग और खेलों का नियमित रूप से अभ्यास करना चाहिए। 21 जून 2026 दिन रविवार को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर बक्शी मेमोरियल पब्लिक स्कूल लालगंज में योग के प्रति जागरूकता बढ़ाने एवं अपने शरीर को फिट रखने के लिए एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रातः सामूहिक योग सत्र में छात्र, शिक्षक,अभिभावकों ने भी उत्साह पूर्वक भाग लिया। विद्यालय के खेल व योग प्रशिक्षक ओमशिव यादव व विनीत सिंह ने सूर्य नमस्कार, ताड़ासन,हलासन,नौकासन, भुजंगासन,शीर्षासन आदि आदि योगिक आसनों के साथ-साथ प्राणायाम और ध्यान की विधियों का प्रदर्शन कर सभी को उनके द्वारा होने वाले लाभों के बारे में बताया।इस अवसर पर योग शिविर कार्यक्रम में उपस्थित छात्रों को योग के प्रति जागरूक करते हुए प्रशासनिक सचिव सिद्धार्थ सिंह ने कहा योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं बल्कि मन,शरीर और आत्मा को जोड़ने का विज्ञान है,यह हमें तनाव मुक्त जीवन जीने और स्वस्थ समाज बनाने की प्रेरणा देता है इसलिए आप सभी को योग को जन-जन तक पहुंचना चाहिए ताकि एक स्वस्थ और सकारात्मक समाज का निर्माण हो सके।इस अवसर पर प्रधानाचार्य अभिषेक रंजन,रविंद्र सिंह,नीरज सिंह, विष्णु सिंह,प्रशांत दुबे, अविनाश साहू,संदीप सिंह के साथ-साथ छात्रों ने भी योग शिविर में सहभागिता की।यह जानकारी बीएमपीएस के जनसंपर्क अधिकारी यशबहादुर यादव ने दी।

किसी भी सूरत में गलत लोगों और गलत कामों में साथ नहीं देना चाहिएः हाशमी

खैराबाद सीतापुर- स्थानीय दरगाह हाफिज असलम मियां में मजलिस को संबोधित करते हुए ज़ाकिर सैय्यद फुरकान मियां ने कहा कि हमें किसी भी सूरत में गलत इंसान और गलत कामों में ना तो मदद करनी चाहिए और ना ही उन कामों को करने वालों से कोई मामला रखना चाहिए इसके लिए भले ही अपनी जान की बाज़ी ही क्यों न लगानी पड़े लेकिन सच और झूठ में कोई मेल नहीं हो सकता यह बात 10 दिवसीय मजलिसे मोहर्रम के क्रम में पांचवें दिन श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए जाकिर अलहाज सैयद फुरकान मियां हाशमी ने कही। हाशमी ने वाकया कर्बला के संबंध में बताया कि सन 61 हिजरी में तीन मोहर्रम को मक़ामे नैनवा जो आज कर्बला के नाम से जाना जाता है के मैदान में हजरत इमाम हुसैन और उनके साथियों तथा परिवार के खेमे लग गए थे ,और झूठ का साथ न देने के लिए एक साथ सच्चाई की जीत के लिए तैयार थे चार मोहर्रम से बातचीत का सिलसिला शुरू हो गया था याद रहे कि हज़रत इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम बिल्कुल जंग करना नहीं चाहते थे और न ही इस ग़रज़ से वहां तशरीफ़ ले गए थे लेकिन वहां यज़ीद मलऊन की नियत ही खराब थी उस बदबख़्त ने सबसे पहले हजरत मुस्लिम बिन अकील को संदेश भेजा कि मेरे साथ हो जाओ और मेरे हाथ पर बैयत हो जाओ यानी मुझे अपना रहनुमा मान लो और हुसैन का साथ छोड़ दो इस पर हजरत मुस्लिम बिन अकील ने जवाब दिया कि हम ईमान वाले हैं और अहले बैत व औलाद ए रसूल का साथ किसी भी सूरत में छोड़ नहीं सकते हां इतना जरूर है की इनके लिए हम अपना सर कलम करवा सकते हैं और ऐसा ही हुआ की अहले बैत से मोहब्बत करने की सज़ा में यजीद ने आपका सर कलम करवा लिया और आप जामे शहादत पीकर जन्नती हो गए मारक ए कर्बला में शहीद होने वालों में सबसे पहला नाम हज़रत मुस्लिम बिन अकील का आता है यह शहादत हमें सबक देती है कि हम कभी भी गलत इंसान और गलत काम का साथ न देकर सच्चों का साथ दें फिर इसके लिए हमें चाहे जो कुर्बानी देनी पड़े इसके बाद ज़ाकिर सज्जादा नशीन हाजी सैय्यद फुरकान वहीद हाशमी ने मुल्क व मिल्लत के लिए दुआ की, इस अवसर पर सैकड़ो श्रद्धालु उपस्थित थे और वाकया कर्बला सुनकर सभी की आंखें आंसुओं से भरी हुई थी और रसूल के नवासे पर जुल्म करने वालों के लिए अल्लाह से बद्दुआ भी कर रहे थे।

कोडीनयुक्त कफ सीरप तस्करी कांड के मास्टरमाइंड शुभम और साथियों पर कसा गया शिकंजा- 35 करोड़ संपत्ति होगी कुर्क

● एसटीएफ ने सुशांत गोल्फ सिटी थाने में तीनों के खिलाफ बीएनएस की धारा 209 के तहत नया मुकदमा दर्ज कराया था।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। प्रतिबंधित कोडीनयुक्त कफ सीरप तस्करी मामले में फरार चल रहे मास्टरमाइंड शुभम जायसवाल और उसके सहयोगियों पर एसटीएफ ने शिकंजा अधिक कस दिया है। न्यायालय ने शनिवार को शुभम जायसवाल, वरुण सिंह और गौरव जायसवाल की संपत्ति कुर्क करने का आदेश दे दिया है। कोर्ट से आदेश मिलने के बाद एसटीएफ जल्द ही इनकी 35 करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्ति कुर्क करेगी। इसमें मकान, फ्लैट, पुश्तैनी संपत्ति, दुकानें, वाहन और अन्य चल-अचल संपत्तियां शामिल हैं। आगामी सप्ताह में कुर्की की कार्रवाई शुरू की जाएगी। तीनों आरोपितों को पहले ही न्यायालय ने भगोड़ा घोषित किया है। गैर जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) जारी होने और कुर्की के नोटिस चस्पा करने के बावजूद आरोपित अदालत में हाजिर नहीं हुए। इसे अदालत की अवहेलना मानते हुए एसटीएफ ने सुशांत गोल्फ सिटी थाने में तीनों के खिलाफ बीएनएस की धारा 209 के तहत नया मुकदमा दर्ज कराया था। इसके बाद न्यायालय ने शनिवार को संपत्ति कुर्क करने के आदेश जारी कर दिए। एसटीएफ मुख्यालय में तैनात निरीक्षक अंजनी कुमार पांडेय ने वर्ष 2024 में प्रतिबंधित कोडीनयुक्त कफ सीरप तस्करी के मामले में मुकदमा दर्ज कराया था। विवेचना के दौरान वाराणसी निवासी शुभम जायसवाल, वरुण सिंह और गौरव जायसवाल के नाम सामने आए थे। इसके बाद जांच में उन पर धोखाधड़ी, जालसाजी, आपराधिक साजिश और एनडीपीएस एक्ट के तहत आरोप तय किए गए। चार फरवरी 2026 को विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस कोर्ट ने तीनों के खिलाफ एनबीडब्ल्यू जारी किया था। उन्हें फरार घोषित कर निर्धारित अवधि में अदालत में पेश होने का निर्देश दिया गया, लेकिन हाजिर नहीं हुए।

16 आरोपित जा चुके हैं जेल

एसटीएफ इस मामले में अब तक बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह, अमित सिंह टाटा, विकास सिंह नर्वे, विभोर सिंह समेत 16 आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। कई आरोपितों के खिलाफ अलग-अलग चरणों में चार्जशीट भी दाखिल की जा चुकी है। वहीं जांच में 13 अन्य लोगों के नाम सामने आने के बाद कुल 16 आरोपितों की गिरफ्तारी अभी बाकी है।

क्या था मामला

एसटीएफ ने वर्ष 2024 में प्रतिबंधित कोडीनयुक्त कफ सीरप की तस्करी का भंडाफोड़ किया था। जांच में खुलासा हुआ था कि फर्जी दस्तावेजों और बिलों के सहारे बड़े पैमाने पर नशीले कफ सीरप की खरीद-फरोख्त की जा रही थी। आरोपितों पर अवैध सप्लाई चेन संचालित करने, फर्जी कागजात तैयार करने और कारोबार को छिपाने के आरोप हैं। एसटीएफ का मानना है कि गिरोह लंबे समय से कई राज्यों में नेटवर्क संचालित कर रहा था। अब फरार मास्टरमाइंड और उसके सहयोगियों की संपत्ति कुर्क होने के बाद जांच को और गति मिलने की उम्मीद है।

बाबा साहब के अस्थि कलश व प्रतीकों को हटाने के विरोध में आज होगी रणनीतिक बैठक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में डॉ. भीमराव अंबेडकर महासभा परिसर, 10 विधानसभा मार्ग स्थित बाबा साहब के पावन अस्थि कलश, बुद्ध प्रतिमा, बोधि वृक्ष एवं अशोक स्तंभ सहित अन्य आस्था प्रतीकों को स्थानांतरित किए जाने के प्रस्ताव के विरोध में बहुजन एवं बौद्ध समाज की विभिन्न समितियों और सामाजिक संगठनों की एक महत्वपूर्ण रणनीतिक बैठक रविवार, 21 जून को आयोजित की जाएगी। बौद्ध-अंबेडकर समितियों एवं सामाजिक संगठनों (एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यक समुदाय) की ओर से जारी अपील में कहा गया है कि 14 अप्रैल 2026 को बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर 10 विधानसभा मार्ग स्थित डॉ. अंबेडकर महासभा भवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान एक विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) द्वारा बाबा साहब के पावन अस्थि कलश, बुद्ध प्रतिमा, बोधि वृक्ष, अशोक स्तंभ आदि को जुलाई 2026 में ऐशबाग स्थित अंबेडकर ट्रस्ट भवन में स्थानांतरित करने संबंधी वक्तव्य दिया गया था। अपील में कहा गया है कि यह प्रस्ताव देश-विदेश में रहने वाले करोड़ों बौद्ध और अंबेडकर अनुयायियों की आस्था से जुड़ा विषय है तथा इससे जनभावनाएं आहत हुई हैं। इसी मुद्दे पर विचार-विमर्श एवं आगे की रणनीति तय करने के लिए समस्त बौद्ध-अंबेडकर समितियों, सामाजिक संगठनों तथा बुद्धिजीवी वर्ग के पदाधिकारियों की बैठक रविवार को सायं 4 बजे आनंद बुद्ध विहार, औरंगाबाद खालसा, बिजनौर रोड (रेलवे ओवरब्रिज के निकट), लखनऊ में बुलाई गई है। बैठक में अधिक से अधिक संख्या में समाज के प्रतिनिधियों से सहभागिता की अपील की गई है। इस संबंध में के.के. गौतम, बौद्धाचार्य नेक राम बौद्ध, राम कुमार गौतम, नीलिमा कुमारी, राम लगन सिंह यादव, जी.पी. भारती, बौद्धाचार्य वीर बहादुर बौद्ध, काशी प्रसाद, डॉ. देवेंद्र प्रताप यादव, प्रदीप तथा बी.पी.एस. कुशवाहा, रविंद्र कुमार , राजेश स्वरूप सहित अन्य सामाजिक कार्यकर्ताओं ने संयुक्त रूप से लोगों से उपस्थित रहने का आग्रह किया है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर विद्यालयों में हुआ उत्साहपूर्ण आयोजन, बच्चों और शिक्षकों ने किया सामूहिक योगाभ्यास

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में 21 जून अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जनपद लखनऊ के विभिन्न प्राथमिक विद्यालयों में योग कार्यक्रमों का आयोजन बड़े उत्साह एवं उल्लास के साथ किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने सामूहिक योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवन का संदेश दिया। प्राथमिक विद्यालय अकड़ा बी.के.टी. में योग दिवस का आयोजन धूमधाम से किया गया। कार्यक्रम में बच्चों एवं शिक्षकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस अवसर पर श्री शान्ति स्वरूप वर्मा ने सभी को संबोधित करते हुए कहा, 'सभी करें योग, सदैव रहें निरोग।' उन्होंने योग को स्वस्थ एवं संतुलित जीवन का आधार बताते हुए नियमित योगाभ्यास करने की अपील की। इसी क्रम में प्राथमिक विद्यालय भिटौली, चिनहट, लखनऊ में भी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर विशेष योग कार्यक्रम आयोजित किया गया। सहायक अध्यापिका श्रीमती रचना जी ने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को विभिन्न योगासनों का अभ्यास कराया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानाध्यापिका श्रीमती आरती सिंह ने कहा कि योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाकर ही स्वस्थ समाज का निर्माण किया जा सकता है। उन्होंने सभी से नियमित योग करने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित किया।

हाईटेंशन लाइन की चपेट में आकर 20 फीट ऊंचे पेड़ से नाले में गिरा मासूम

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के चिलौला गांव में रविवार को दोस्तों के साथ खेल रहा एक 10 वर्षीय बालक 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गया। करंट लगते ही वह करीब 20 फीट ऊंचे चिलबिल के पेड़ से नीचे पानी भरे नाले में जा गिरा। घटना के बाद गांव में हड़कंप मच गया। चिलौला गांव निवासी मयंक (10) पुत्र बाबादीन अपने साथियों अनमोल और लकी के साथ गांव के बाहर चिलबिल के पेड़ पर चढ़कर गुलहर खेल रहा था। इसी दौरान पेड़ के ऊपर से गुजर रही 11 केवी विद्युत लाइन के संपर्क में आने से उसे जोरदार करंट लग गया। करंट लगते ही मयंक संतुलन खो बैठा और लगभग 20 फीट की ऊंचाई से नीचे पानी भरे नाले में गिर पड़ा। घटना देखकर साथ खेल रहे बच्चों के होश उड़ गए। उन्होंने दौड़कर मयंक के परिवारीजनों को सूचना दी। मौके पर पहुंचे परिजनों ने आनन फानन घायल बालक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां उसका उपचार चल रहा है। सीएचसी की इमरजेंसी में तैनात चिकित्सक डॉ. गौरव पांडेय ने बताया कि घायल बालक की हालत फिलहाल स्थिर है।

विश्व योग दिवस पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा विशाल योग कार्यक्रम का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। विश्व योग दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ उत्तर भाग के महाराजा सुहेलदेव नगर द्वारा श्रीराम शाखा पर भव्य योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम श्रीराम अकैडमी इंटर कॉलेज परिसर में संपन्न हुआ, जिसमें समाज के सैकड़ों नागरिकों, संघ के स्वयंसेवकों एवं पदाधिकारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं श्रीराम अकैडमी इंटर कॉलेज के प्रबंधक श्रवण मिश्रा ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत पुनः विश्व गुरु बनने की दिशा में अग्रसर है। इसका सबसे बड़ा प्रमाण यह है कि भारत की प्राचीन योग परंपरा, योग चिकित्सा एवं योग पद्धति को आज पूरा विश्व अपना रहा है। उन्होंने कहा कि विश्वभर के लोग भारतीय सनातन संस्कृति और उसकी परंपराओं को जानने, समझने और अपनाने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में समाज को संगठित रहने की आवश्यकता है और योग इस दिशा में एक महत्वपूर्ण माध्यम सिद्ध हो रहा है। योग से तन, मन और मस्तिष्क स्वस्थ रहते हैं तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक इस कार्य को कुशलतापूर्वक समाज तक पहुंचा रहे हैं। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह जिला बौद्धिक प्रमुख त्रियुगी नाथ, नगर संघ चालक संतोष, सह नगर संघ चालक श्यामू, भाग सद्भाव संयोजक सुधीर तथा नगर समरसता प्रमुख विनोद सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में नगर समरसता प्रमुख विनोद ने उपस्थित सभी आगंतुकों को विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया तथा योग के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम का समापन स्वस्थ एवं जागरूक समाज के निर्माण के संकल्प के साथ हुआ।

भारत स्काउट और गाइड, उ. प्र. जनपद लखनऊ द्वारा योग शिविर का आयोजन किया गया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में दिनांक 21 जून, 2026 अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आज दिनांक 21 जून, 2026 को भारत स्काउट और गाइड उत्तर प्रदेश, जनपद लखनऊ के संपर्क कार्यालय - उदयाचल (क्वींस कालेज कैंपस) वाला कदर रोड, लखनऊ के प्रांगण में योग शिविर का आयोजन किया गया। योग शिविर का शुभारंभ संरक्षक डा. आर.पी. मिश्र, जिला मुख्यालय के डा. जे.पी. मिश्र द्वारा योग गुरू महर्षि पतंजलि की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन कर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। जिला सचिव अनिल शर्मा ने बताया कि विख्यात योग गुरु श्री राजेश कुमार पांडे के निर्देशन में जिला संस्था के संरक्षक डा. आरपी मिश्र, जिला मुख्यायुक्त डा. जे.पी जिला सचिव अनिल शर्मा, मिश्र, डीओसी (गाइड) मधु हंसपाल, ट्रेनिंग काउंसलर स मिश्र एवं लगभग 50 रोवर्स/रेंजर्स ने योगाभ्यास किया। योगगुरु राजेश कुमार पांडेय ने योग की दिनचर्या में उपयोगी बताते हुए ग्रीवा संचालन, कटि संचालन, घुटना संचालन, असकंद संचालन, ताड़ासन, वृक्षासन, वज्रासन, सुप्त वज्रासन, अनुलोम विलोम, भ्रामरी व ध्यान आदि का अभ्यास कराया। इस अवसर पर संरक्षक डा. आर.पी. मिश्र ने योग को स्कूलों तक पहुंचाने के लिए जिला संस्था से स्काउट मास्टर/गाइड कैप्टन के लिए एक सप्ताह का योग शिविर आयोजित करने का किया आवाहन किया। जिला मुख्यायुक्त डा. जे.पी. मिश्र ने नियमित योगाभ्यास को स्वस्थ जीवन का मूलाधार बताया। कार्यक्रम के अंत में सचिव अनिल शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

आदर्श ग्राम पंचायत ऐहार में योग शिविर का आयोजन, लोगों ने किया योगाभ्यास

योगाचार्य आनंद जी ने बताए योग के लाभ, सम्मानित किए गए प्रतिभागी

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
स्वतंत्र प्रभात
जो लिखेगा, वही दिखेगा
www.swatantraprabhat.com
ब्रेकिंग न्यूज़

लालगंज (रायबरेली)। 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आदर्श ग्राम पंचायत ऐहार के आदर्श ऋषि आश्रम बालेश्वर मंदिर परिसर में योग शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्रधान प्रतिनिधि राजेश फौजी के द्वारा कराया गया। शिविर में योगाचार्य आनंद जी ने उपस्थित लोगों को विभिन्न योगासनों का अभ्यास कराया और योग के महत्व तथा निरोगी जीवन में इसकी उपयोगिता के बारे में जानकारी दी। उन्होंने नियमित योग करने से शरीर और मन को मिलने वाले लाभों के बारे में बताया। कार्यक्रम में पहुंचे लोगों का गमछा व पट पहनाकर स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने योगाभ्यास में सहभागिता की। इस मौके पर पूर्व प्रधान रमेश कुमार वर्मा उर्फ खोरा, पूर्व प्रधान ओपी, लक्ष्मी शंकर, श्रीराम मास्टर, गिरीश शुक्ला, राजाराम, बीनू मिश्रा, महंत श्री सर्वेश्वर व्यास जी, बृजलाल तिवारी, प्रदीप लोधी, पिंटू साहू, भोला यादव, रजनू यादव, पिंटू बाजपेई, राम गोपाल गुप्ता, दिनेश वर्मा,राजू सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

वृहद जनकल्याण शिविर एवं स्वास्थ्य मेले का आयोजन

● विधायक अदिति सिंह ने लाभार्थियों को वितरित किए प्रमाणपत्र व चाभियां

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

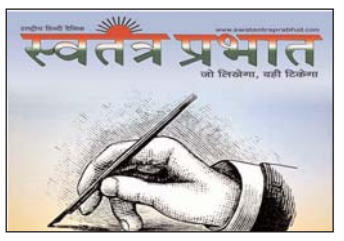

महराजगंज/रायबरेली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विकास खंड अमावा की ग्राम पंचायत लोधवामऊ स्थित प्राथमिक विद्यालय परिसर में जिलाधिकारी के निर्देशन में वृहद जन कल्याण शिविर एवं स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सदर विधायक अदिति सिंह ने पहुंचकर विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया तथा लाभार्थियों से संवाद कर योजनाओं की जानकारी ली। शिविर में आयुष्मान भारत योजना, पीएम सूर्य घर योजना, पीएम किसान सम्मान निधि, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, ओडीओपी तथा मुख्यमंत्री आवास योजना सहित केंद्र एवं प्रदेश सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। पात्र लाभार्थियों का मौके पर ही पंजीकरण भी कराया गया। इस अवसर पर विधायक अदिति सिंह ने कहा कि सरकार की मंशा अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि रायबरेली के प्रत्येक नागरिक को सशक्त, स्वस्थ और आत्मनिर्भर बनाना सरकार का मुख्य उद्देश्य है। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया तथा विभिन्न योजनाओं के लिए आवेदन किए। निश्चय अभियान के अंतर्गत टीबी उन्मूलन को लेकर लोगों को जागरूक किया गया। विधायक ने निश्चय किट का वितरण करते हुए लोगों से समय पर जांच एवं उपचार कराने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान आरओ वाटर कूलर का लोकार्पण किया गया। मुख्यमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को उनके आवास की चाभियां सौंपी गई तथा दो नए पात्र लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र प्रदान किए गए। स्वयं सहायता समूह की एक सदस्य को ग्राम संगठन के माध्यम से उपलब्ध कराए गए ट्रैक्टर की चाभी भी सौंपी गई। इसके अलावा अन्नप्राशन एवं गोद भराई कार्यक्रम का आयोजन कर मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पुष्टाहार वितरित किया गया। रात्रि चौपाल में खंड विकास अधिकारी संदीप सिंह, खंड शिक्षा अधिकारी ऋचा सिंह, अंजू यादव, संजय सिंह, संगीता देवी, एडीओ सहकारिता राजन सिंह, प्रधान संघ अध्यक्ष अमावा ऋषि सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी, ग्राम प्रधान एवं क्षेत्र पंचायत सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

विराम खंड-5 जन कल्याण समिति द्वारा योग शिविर का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में अतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर विराम खंड-5 जन कल्याण समिति द्वारा अमर शहीद चंद्रशेखर आज़ाद पार्क में एक योग शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में समिति के अध्यक्ष डॉ. भरत राज सिंह ने योग प्रशिक्षण प्रदान करते हुए उपस्थित निवासियों एवं समिति के सदस्यों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम तथा उनके स्वास्थ्यवर्धक लाभों की विस्तृत जानकारी दी। डॉ. सिंह ने बताया कि नियमित योगाभ्यास से शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य में सुधार होता है, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है तथा तनाव एवं जीवनशैली संबंधी अनेक समस्याओं से मुक्ति मिलती है। उन्होंने सभी नागरिकों से योग को अपने दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाने का आह्वान किया। योग शिविर में उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने अत्यंत उत्साह एवं अनुशासन के साथ योगाभ्यास किया। इस अवसर पर समिति के उपाध्यक्ष विजय चोपड़ा, संयुक्त सचिव प्रवीण कुमार मिश्रा, प्रचार सचिव मनोज शर्मा, संगठन सचिव प्रभात श्रीवास्तव, सचिव नित्यानंद पांडेय, कार्यकारिणी सदस्य राम प्रताप शर्मा, एस. बी.एल.मेहरोत्रा, आर.के. तिवारी, आनन्द प्रकाश, राजेंद्र तिवारी सहित कॉलोनी के अनेक वरिष्ठ नागरिक एवं निवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन स्वस्थ, जागरूक एवं योगमय समाज के निर्माण के संकल्प के साथ किया गया।

संदिग्ध परिस्थितियों में 16 वर्षीय किशोरी की मौत, पोस्टमार्टम रिपोर्ट से होगा खुलासा

महराजगंज/रायबरेली। थाना क्षेत्र के सलेथू गांव की 16 वर्षीय किशोरी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका का शव रविवार को लगभग 4 बजे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र महराजगंज लाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतका की पहचान गुड़िया (16 वर्ष) पुत्री अखिलेश निवासी सलेथू, महराजगंज के रूप में हुई है। परिजन उसे मृत अवस्था में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे थे। किशोरी की अचानक हुई मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। घटना की सूचना संबंधित अधिकारियों को दे दी गई है। आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। फिलहाल मृत्यु के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल सका है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र महराजगंज के अधीक्षक डॉ. गणनायक पांडे ने बताया कि घटना लगभग शाम 4 बजे की है। मृत्यु के वास्तविक कारणों की जानकारी पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी। मामले की सूचना पुलिस को दे दी गई है। पुलिस एवं स्वास्थ्य विभाग पूरे प्रकरण की जांच में जुटे हुए।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योगमय हुआ मोहनलालगंज ब्लॉक परिसर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज/लखनऊ। बारहवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को विकासखंड मोहनलालगंज परिसर में भव्य योग शिविर का आयोजन किया गया। खंड विकास अधिकारी के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में कार्यालय स्टाफ, राष्ट्रीय आजीविका मिशन, मनरेगा, पंचायतीराज विभाग के कर्मचारी तथा विभिन्न ग्राम पंचायतों से आए नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर योगाभ्यास किया। पूरे ब्लॉक परिसर में योग के प्रति जागरूकता और स्वास्थ्य चेतना का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए खंड विकास अधिकारी शिवकुमार ने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि शरीर, मन और आत्मा को संतुलित करने की एक प्राचीन एवं वैज्ञानिक पद्धति है। उन्होंने योग के यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, ध्यान और धारणा जैसे विभिन्न अंगों की जानकारी देते हुए बताया कि नियमित योगाभ्यास व्यक्ति को शारीरिक एवं मानसिक रोगों से दूर रखता है तथा जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है। योग प्रशिक्षक के निर्देशन में उपस्थित प्रतिभागियों ने ताड़ासन, वृक्षासन, त्रिकोणासन, वज्रासन, भुजंगासन, उष्ट्रासन, शशांकासन, मकरासन, उत्तानपादासन, मंडूकासन, पवनमुक्तासन सहित अनेक योगासनों का अभ्यास किया।

इसके पश्चात विभिन्न प्राणायामों और ध्यान क्रियाओं का भी अभ्यास कराया गया। योग सत्र के दौरान प्रशिक्षकों ने स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और नियमित योग करने का संकल्प भी दिलाया। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने अपने स्वास्थ्य एवं समाज के कल्याण की कामना करते हुए सामूहिक योग किया। उल्लेखनीय है कि विकासखंड क्षेत्र की सभी ग्राम पंचायतों में 15 जून से योग अभ्यास कार्यक्रम संचालित किए जा रहे थे, जिनका समापन अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को सामूहिक योगाभ्यास के साथ किया गया। योग शिविर ने लोगों को स्वस्थ, निरोग और संतुलित जीवन जीने की प्रेरणा प्रदान की।

समाजसेवी व वरिष्ठ कांग्रेसी नेता अभिनव राजा भार्गव ने ग्रामीणों की समस्याए सुन किया संवाद

बिसवां, सीतापुर। ग्राम पंचायत क्योंटी बादुल्ला में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम में वरिष्ठ समाजसेवी एवं वरिष्ठ कांग्रेसी नेता अभिनव राजा भार्गव ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और उनसे संवाद किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस अवसर पर अभिनव राजा भार्गव ने कहा कि वे जनता के सुख-दुख में सदैव साथ खड़े रहेंगे तथा क्षेत्र के विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और रोजगार जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता जनता की समस्याओं को समझकर उन्हें उचित मंच तक पहुंचाना है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. करीम अंसारी ने किया। इस दौरान काशीराम भार्गव, विजय अवस्थी, हयात कौसर, अखलाक, हाफिज अतीकुर्रहमान, सिराज अहमद, रामखेलावन भार्गव, निर्मल यादव सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

पंजाब ट्रेड कमीशन द्वारा बड़ी मांग पूरी होने पर महेंद्रगंज मार्केट के दुकानदारों में खुशी की लहर

राजपुरा- आज महेंद्रगंज मार्केट के दुकानदारों में खुशी की लहर दौड़ गई जब मार्केट की दशकों पुरानी मांग पूरी हो गई। जानकारी देते हुए पंजाब ट्रेड कमीशन के वाइस चेयरमैन गुरप्रीत सिंह धमोली ने बताया कि ट्रेड कमीशन के चेयरमैन टिंकू बंसल की लीडरशिप में महेंद्रगंज मार्केट में व्यापारियों की एक मीटिंग हुई, जिसमें दुकानदारों ने बताया कि लगभग एक दशक से बस स्टैंड पर बसें न आने के कारण दुकानदारों को अपनी दुकानें कम रेट पर बेचनी पड़ रही थीं और दुकानें बेचने के बाद उन्हें दूसरी दुकान में काम करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा था। गुरप्रीत सिंह धमोली ने कहा कि पंजाब ट्रेड कमीशन की मीटिंग में अपनी मांग को मजबूती से रखने और लगातार कोशिशों के बाद आज पटियाला से दिल्ली, चंडीगढ़, मोहाली, अंबाला के लिए बसें शुरू हो गई हैं। इस खुशी में दुकानदारों ने पंजाब ट्रेड कमीशन के वाइस चेयरमैन पटियाला गुरप्रीत सिंह धमोली और राजपुरा हलके के चेयरमैन टिंकू बंसल का लड्डू खिलाकर मुंह मीठा कराया। ये बसें राजपुरा टाउन और पुराने बस स्टैंड रेलवे स्टेशन से होकर चलेंगी, जिससे महिंदरगंज बाजार में रौनक बढ़ेगी और शहरवासियों को बड़ी सुविधा मिलेगी। इस मौके पर पंजाब व्यापार आयोग राजपुरा के सदस्य मुकेश गुप्ता, कीरत सिंह सेहरा, डॉ. अशोक, मनीष सूद, सुखविंदर सिंह सुखी, चीफ इंस्पेक्टर पीआरटीसी, इंस्पेक्टर गुरतेज सिंह, इंस्पेक्टर जसपाल सिंह, बलजिंदर सिंह अड्डा इंचार्ज राजपुरा, लक्की प्रधान, विकास वर्मा, सचिन बंसल, जसविंदर सिंह, राजिंदर कुमार, जसवंत सिंह प्रधान टैक्सी स्टैंड, मोहन बेकरी, चौहान टेलर, गुरिंदर सिंह मौजूद थे। पंजाब व्यापार आयोग द्वारा बड़ी मांग पूरी होने पर महिंदरगंज बाजार के दुकानदारों में खुशी की लहर दौड़ गई।

नए भारत के शिल्पकार हैं नरेंद्र मोदी — सोमप्रकाश

होशियारपुर- भारतीय जनता पार्टी जिलाध्यक्ष निपुण शर्मा की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सफलतापूर्वक 12 साल प्रशासनिक कार्यकाल के संबध में प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया।जिसमें प्रदेश की ओर से पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री सोमप्रकाश कैथ ने मीडिया से मुखातिब हुए। इस मौके मीडिया से बात करते हुए पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री सोमप्रकाश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्षों के सफल एवं ऐतिहासिक कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि देश की जनता ने लगातार तीन बार उन्हें प्रधानमंत्री बनाकर उनके नेतृत्व, कार्यशैली और राष्ट्रहित के प्रति समर्पण पर अपनी मुहर लगाई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने अनेक ऐसे ऐतिहासिक निर्णय और उपलब्धियां हासिल की हैं, जिन्होंने देश की दिशा और दशा दोनों को बदल दिया है। सोमप्रकाश ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के प्रथम कार्यकाल में जनधन योजना, स्वच्छ भारत अभियान, उज्ज्वला योजना, डिजिटल इंडिया और मेक इन इंडिया जैसे कार्यक्रमों ने करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया। दूसरे कार्यकाल में जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 और 35-ए की समाप्ति, नागरिकता संशोधन अधिनियम, श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त करना तथा आत्मनिर्भर भारत अभियान जैसे साहसिक और ऐतिहासिक निर्णय लिए गए। उन्होंने कहा कि तीसरे कार्यकाल में प्रधानमंत्री मोदी विकसित भारत-2047 के संकल्प के साथ देश को विश्व की अग्रणी शक्तियों में स्थापित करने के लिए कार्य कर रहे हैं। भारत आज जी-20 की सफल अध्यक्षता, मजबूत अर्थव्यवस्था, डिजिटल क्रांति, रिकॉर्ड इंफ्रास्ट्रक्चर विकास, महिला सशक्तिकरण, राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक नेतृत्व के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

चीन की धमकी और यूक्रेन का उदाहरण ताइवान में हर कोई सीख रहा ड्रोन उड़ाना

● ताइवान में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में ड्रोन उड़ाने का जुनून सवार है. चीन की तरफ से बढ़ते खतरे को देखते हुए नागरिकों ने इस हुनर को सीखने का फैसला किया है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चीन के बढ़ते सैन्य खतरे के बीच ताइवान के आम नागरिक अब हाथ पर हाथ धरे नहीं बैठे हैं बल्कि खुद को एक संभावित जंग के लिए तैयार कर रहे हैं. यूक्रेन युद्ध ने दुनिया को दिखा दिया है कि आधुनिक लड़ाई में छोटे-छोटे ड्रोन कितने घातक और मददगार साबित हो सकते हैं. इसी सबक को अपनाते हुए ताइवान में अब हर उम्र के लोग चाहे वो युवा हों या बुजुर्ग ड्रोन उड़ाने की ट्रेनिंग ले रहे हैं. राजधानी ताइपे के तंग कमरों से लेकर ग्राउंड तक नागरिक सुरक्षा को मजबूत करने के लिए यह पहली बार है जब आम लोगों को ड्रोन पायलट बनाने का एक बड़ा अभियान शुरू किया गया है। द गार्जियन के मुताबिक, ताइपे के एक छोटे और खचाखच भरे कमरे में 48 साल का शख्स ड्रोन को हवा में स्थिर रखने की कोशिश कर रहा है. उसके हाथ में रिमोट कंट्रोलर है और उसकी उंगलियां जॉयस्टिक पर जमी हैं. जैसे ही बिना किसी दुर्घटना के ट्रैफिक कोन से घिरे एक आयताकार रास्ते से ड्रोन को सुरक्षित निकाल लेते हैं, पूरा कमरा तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठता है. वह शख्स कहता है, 'यूक्रेन के युद्ध ने ड्रोन के इस्तेमाल को पूरी तरह बदल दिया है. मैं इसे एक अतिरिक्त हुनर की तरह सीख रहा हूं, ताकि कल को अगर जरूरत पड़े तो मैं देश के काम आ सकूं। '

कुमा एकेडमी में अगस्त तक सारे स्लॉट बुक

यह पूरा नजारा ताइवान के पहले 'नागरिक सुरक्षा ड्रोन प्रशिक्षण कार्यक्रम' का है. इसे 'कुमा एकेडमी' नाम के एक एनजीओ की ओर से शुरू किया गया है. मई में लॉन्च हुए इस कोर्स को लेकर ताइवानी नागरिकों में इस कदर दीवानगी है कि अगस्त तक के सभी सेशन एडवांस में ही फुल हो चुके हैं. इस कोर्स के जरिए हर महीने करीब 75 लोगों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। कुमा एकेडमी के प्रवक्ता तांग त्सुंग-यी का कहना है कि इस कोर्स का मकसद आम लोगों को यह समझाना है कि युद्ध के मैदान में ड्रोन क्या भूमिका निभा सकते हैं. दिलचस्प बात यह है कि इस ट्रेनिंग प्रोग्राम में समाज का हर वर्ग बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहा है।

बिना जीपीएस वाले 'प्योर ताइवानी' ड्रोन

इस ट्रेनिंग की एक और बड़ी खासियत यह है कि क्लास में इस्तेमाल होने वाले ड्रोन का वजन 100 ग्राम से भी कम है और ये पूरी तरह से ताइवान में बने हैं. इन ड्रोन्स में न तो कोई जीपीएस सिस्टम है और न ही कोई ऑटो-पायलट या सेल्फ-ड्राइविंग तकनीक. इसके पीछे एक बहुत ही सोची-समझी सैन्य रणनीति है. आधुनिक युद्ध में दुश्मन सबसे पहले इलेक्ट्रॉनिक जैमिंग तकनीक का इस्तेमाल करके कॉमर्शियल ड्रोन के सिग्नल ब्लॉक कर देता है. ऐसे में ऑपरेटरों को ड्रोन को पूरी तरह से अपनी आंखों और मैनुअल रिफ्लेक्सिस से उड़ाना आना चाहिए। यह फैसला ताइवान के उस बड़े अभियान का भी हिस्सा है, जिसके तहत वह ड्रोन की ग्लोबल सप्लाई चेन को पूरी तरह 'चीन-मुक्त' बनाना चाहता है. हालांकि, ताइवान की घरेलू राजनीति में इसे लेकर खींचतान जारी है.

अमेरिका ने छोड़ा साथ?

ताइवान की नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (CAA) के अनुसार, दिसंबर तक देश में रजिस्टर्ड ड्रोन्स की संख्या 39,000 को पार कर चुकी थी. सरकार ने 2024 में ड्रोन रजिस्ट्रेशन की न्यूनतम उम्र घटाकर 14 वर्ष कर दी थी. अब ताइपे के कई हाई स्कूलों में गर्मियों की छुट्टियों में कैंप लगाए जा रहे हैं. यहां छात्रों को स्क्रैच से ड्रोन बनाना और उसका इस्तेमाल खोज और बचाव अभियानों में करना सिखाया जा रहा है. अगर चीन कभी ताइवान पर हमला करता है, तो ताइवान के पहाड़ी इलाकों और अग्रिम मोर्चों की निगरानी के लिए ये मानवरहित ड्रोन सबसे बड़े हथियार साबित होंगे। यह पूरी तैयारी ऐसे समय में हो रही है जब अमेरिका और ताइवान के रिश्तों को लेकर अनिश्चितता का माहौल है. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी नेता शी जिनपिंग के बीच पिछले महीने बीजिंग में हुई मुलाकात के बाद, ट्रंप ने अभी तक ताइवान के लिए 14 अरब डॉलर के हथियार पैकेज पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं. इसके अलावा, ताइवान के आंतरिक राजनीतिक मतभेदों ने भी आम लोगों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि उन्हें बाहरी मदद के भरोसे रहने के बजाय खुद को तैयार करना होगा।

नीरज चोपड़ा एक्शन में नजर आएंगे

● ओलिंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा 2026 सीजन की शुरुआत करने को तैयार हैं। चोपड़ा दोहा डायमंड लीग में भाला फेंकते हुए नजर आएंगे।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली। भारत के ओलिंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा 2026 सीजन की शुरुआत करने को तैयार हैं। नीरज शुक्रवार को दोहा डायमंड लीग में हिस्सा लेते हुए नजर आएंगे। भारतीय जेवलिन थ्रोअर ने पीठ में चोट के कारण पिछले साल सितंबर में वर्ल्ड चैंपियनशिप्स के बाद से किसी प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लिया। कई महीनो के रिहैब और ट्रेनिंग के बाद नीरज चोपड़ा कतर में वर्ल्ड क्लास खिलाड़ियों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने को तैयार हैं। 28 साल के नीरज चोपड़ा की दोहा डायमंड लीग में राह आसान नहीं होगी। गत चैंपियन केशहोर्न वोलकोट, दो बार के वर्ल्ड चैंपियन एंडरसन पीटर्स और श्रीलंका के रुमेश थरंगा पाथिरागे से नीरज दो-दो हाथ करेंगे।

कड़े प्रतिद्वंद्वियों से मुकाबला

याद दिला दें कि श्रीलंकाई जेवलिन थ्रोअर ने 92.62 मीटर की दूरी पर थ्रो करके सुर्खियां बटोरी और इस सीजन वर्ल्ड लीडर बने। वैसे, नीरज चोपड़ा के लिए दोहा विशेष स्थान है। पिछले साल मई में यहां नीरज ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते 90 मीटर दूरी तय की। उन्होंने 90.23 मीटर की दूरी का थ्रो किया था। दो बार के ओलिंपिक मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा को उम्मीद होगी कि वो जल्द ही अपनी लय हासिल करे और सीजन की दमदार शुरुआत करें। नीरज चोपड़ा को लाइव एक्शन में देखने के लिए आप यहां डिटेल्स हासिल कर सकते हैं।

दिल्ली में BJP का तीन दिवसीय जनसंपर्क अभियान शुरू

दिल्ली। नरेन्द्र मोदी सरकार और रेखा गुप्ता सरकार की उपलब्धियों और जनकल्याणकारी नीतियों की जानकारी देने के लिए भाजपा ने बृहस्पतिवार से तीन दिवसीय जनसंपर्क अभियान शुरू किया है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष से लेकर सभी पदाधिकारी व जनप्रतिनिधि नागरिकों के बीच पहुंच रहे हैं। इसके साथ ही 42 स्थानों पर तीन दिनों तक चलने वाला जनकल्याणकारी शिविरों की भी शुरुआत हुई। इन शिविरों में केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं के बारे में जानकारी देने के साथ ही इसे प्राप्त करने में आने वाली बाधा को दूर करने का प्रयास किया जा रहा है।

काला हिरण फिल्म पर सलमान खान का गुस्सा जायज? गवर्नर के डायरेक्टर ने बताया क्या है फिल्म मेकर की जिम्मेदारी

● काला हिरण फिल्म को लेकर अभी कुछ भी साफ नहीं दिख रहा है. पहले तो फिल्म 12 जून को रिलीज होने वाली थी लेकिन अभी दूर दूर तक इसके सिनेमाघरों में आने के आसार नहीं दिख रहे।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली: काला हिरण फिल्म को लेकर काफी समय से विवाद चल रहा है. पहले फिल्म मेकर्स का कहना था कि फिल्म का सलमान से कोई लेना देना नहीं है. यह केवल एक सच्ची घटना पर आधारित है. अगर सलमान खुद को इसमें देखते हैं तो यह उनकी सोच है. इसके बाद फिल्म छोड़ चुके सोनू मिश्रा ने चौंकाने वाले दावे किए. उन्होंने बताया कि दो दिन की शूटिंग करने के बाद जब उन्होंने कॉन्ट्रैक्ट पढ़ा कि उन्हें मीडिया में सलमान खान के खिलाफ बोलना होगा तो उन्होंने फिल्म छोड़ दी. सोनू का कहना था कि उन्होंने ये फिल्म सलमान के डर की वजह से नहीं बल्कि अपने उसूलों की वजह से छोड़ी थी. इससे साफ होता है कि फिल्म का कनेक्शन सलमान खान से तो था. बस पहले सीधे कहा नहीं जा रहा था और बाद में लोग सामने आने लगे।

बिना इजाजत फिल्म बनाना कितना सही?

सलमान खान ने फिल्म के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की। उनका कहना था कि इस फिल्म के जरिए उनके पर्सनैलिटी राइट्स का उल्लंघन किया गया है. इस मामले में 19 जून यानी कल सुनवाई होने वाली है. इससे पहले हमने इस बात को लेकर मनोज बाजपयी की फिल्म गवर्नर के डायरेक्टर चिन्मय मंडलेकर से बात की. ऐसा इसलिए क्योंकि पॉपुलर एक्टर ने अभी तक दो फिल्में डायरेक्ट की हैं और ये दोनों ही फिल्में इंस्पेक्टर जेंडे और गवर्नर दोनों ही रियल लाइफ से इंस्पायर्ड कैरेक्टर से हैं।

17 साल बाद शिकंजे में आया दुष्कर्म आरोपित, दिल्ली से कुवैत भागकर बन गया था टेलर

नई दिल्ली। बिंदापुर में शादी का झांसा देकर किशोरी का अपहरण कर दुष्कर्म करने के मामले में 17 साल से फरार चल रहे इरशाद अहमद उर्फ सोनू को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी से बचने के लिए इरशाद अहमद, वारदात के बाद कुवैत भाग गया था। वह बिजनौर का रहने वाला है और 2009 से पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। डीसीपी हर्ष इंदौरा के मुताबिक बिंदापुर थाने में नौ अप्रैल 2009 को अपहरण, दुष्कर्म व पाक्सो की गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया गया था। पीड़िता की मां बुटीक चलाती थीं, जहां आरोपित इरशाद अहमद, दर्जी (टेलर) का काम करता था। इरशाद ने शादी का झांसा देकर पीड़िता की नाबालिग बेटी का अपहरण किया और उसके साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। वारदात के बाद से ही वह लगातार पुलिस को चकमा दे रहा था, जिसके बाद 25 मई 2011 को द्वारका कोर्ट ने उसे भगोड़ा घोषित कर दिया था।

सूर्यवंशी के बाद बिहार को मिली नई 'रन मशीन', अक्षरा ने ट्रिपल सेंचुरी से मचाया तहलका

● बिहार क्रिकेट का नया बवंडर!

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

वैभव सूर्यवंशी के बाद अब बिहार क्रिकेट में एक नया 'क्रिकेट बवंडर' सामने आया है. लेकिन यह महिला क्रिकेट में हैं. इस बवंडर का नाम है अक्षरा गुप्ता, जिन्होंने वनडे में तिहरा शतक जमाकर क्रिकेट जगत को हैरान कर दिया है. अक्षरा ने भागलपुर के सैंडिस कंपाउंड ग्राउंड में गुरुवार से शुरू हुए BCA महिला -19 वन-डे ट्रॉफी टूर्नामेंट में नाबाद 306 रन की तूफानी पारी खेली जिसमें उन्होंने 55 चौके और 8 छक्के लगाए। ऐसा कर 15 साल की अक्षरा गुप्ता ने महिला घरेलू क्रिकेट में सबसे बड़े व्यक्तिगत स्कोर बनानी वाली दूसरी महिला क्रिकेटर बन गई हैं। बता दें कि . महिला घरेलू क्रिकेट में सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर मुंबई की इरा गुप्ता के नाम है,जिन्होंने घरेलू राज्य-स्तरीय मैच में नाबाद 346 रन बनाए थे. उनकी पारी में 42 चौके और 16 छक्के शामिल थे. अक्षरा गुप्ता के नाबाद 306 और इरा गुप्ता के नाबाद 346 रन अब महिला घरेलू क्रिकेट के सबसे बड़े व्यक्तिगत स्कोर में शामिल हो गए हैं। बिहार की अक्षरा गुप्ता ने टीम की ओर से खेलते हुए, सिर्फ़ 126 गेंदों पर नाबाद 306 रन बनाए. इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 242.86 रहा और वे 233 मिनट तक क्रीज़ पर डटी रहीं. उनकी इस पारी में 55 चौके और 8 छक्के शामिल थे. उन्होंने शुरुआत से ही जबरदस्त बल्लेबाजी की और महज 16 गेंदों में ही उन्होंने अर्धशतक पूरा कर लिया और 34 गेंदों में शतक जड़ दिया, जो उनके शानदार स्ट्रोक-प्ले और टाइमिंग को दर्शाता है. इस ऐतिहासिक मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए बीसीए महिला अंडर-19 टीम ए ने 40 ओवर में 5 विकेट पर 450 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया. पूरे मैच में अक्षरा छाई रहीं। अक्षरा गुप्ता की पारी को देखकर बिहार क्रिकेट एसोसिएशन के प्रेसिडेंट हर्षवर्धन ने 15 साल की महिला बैटर को बधाई दी और कहा कि बिहार की महिला क्रिकेटर लगातार राज्य का नाम रोशन कर रही हैं. उन्होंने कहा कि 'BCA खिलाड़ियों के लिए मौके और मंच बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है, और इस तरह का प्रदर्शन युवा क्रिकेटरों के लिए एक बड़ी प्रेरणा का काम करता है। ' सेक्रेटरी ज़ियाउल अफ़िन ने भी उन्हें शुभकामनाएं दीं. उन्होंने BCA महिला -19 वन-डे ट्रॉफी की शुरुआत में ही ऐसी प्रतिभा के सामने आने को बिहार में क्रिकेट के भविष्य के लिए बहुत अच्छा संकेत बताया और अक्षरा के उज्ज्वल करियर की कामना की।

कौन है अक्षरा गुप्ता

बिहार की रक्सौल की रहने वाली अक्षरा गुप्ता ने 14 साल से ही घरेलू मुकाबलों में अपना जौहर दिखाती नजर आ रही हैं. जिसके दम पर उन्हें बिहार की सीनियर महिला टीम में जगह मिली. बता दें कि बीसीसीआई की आयु-श्रेणी टूर्नामेंटों के चारों प्रमुख फॉर्मेट में एक ही सीजन (2024-25) में खेलने वाली देश की पहली महिला खिलाड़ी बन चुकी हैं।

गांधी नगर में अवैध संबंध के शक में की थी पत्नी की हत्या, मुंबई से आरोपी पति गिरफ्तार

पूर्वी दिल्ली। गांधी नगर इलाके में गला रेतकर पत्नी की हत्या करने वाले पति को पुलिस ने मुंबई से गिरफ्तार कर लिया है। अवैध संबंध के शक में आरोपित ने पत्नी की बड़ी ही बेरहमी से हत्या की थी। आरोपित की पहचान खालिद के रूप में हुई है। हत्या के बाद आरोपित नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से ट्रेन के जनरल डिब्बे में बैठकर बिना टिकट लिए मुंबई भाग गया था। पुलिस ने इसके पास से चाकू, पासपोर्ट व अन्य सामान बरामद किया है। आरोपित पर पहले से झगड़े, मारपीट के छह आपराधिक केस दर्ज हैं। जिला पुलिस उपायुक्त आरपी मीणा ने बताया कि 13 जून को सूचना मिली थी कि एक महिला खून से लथपथ हालत में घर में पड़ी हुई है। पुलिस मौके पर पहुंची। घायल हालत में डॉ. हेडगेवार अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस को जांच में पता चला कि महिला का पति फरार है।गांधी नगर थाना पुलिस ने हत्या का केस दर्ज किया। पुलिस ने एसएचओ राजकुमार, इंस्पेक्टर धर्मेंद्र कुमार व रोबिन सिंह के नेतृत्व में तीन टीम बनाई। जांच में सामने आया कि आरोपित का फोन लगातार बंद हैं। इंटरनेट मीडिया पर सक्रिय नहीं है। डिजिटल कोई सुराग नहीं मिला।

पूर्व प्रधानमंत्री के बेटे के साथ 7.8 करोड़ की साइबर ठगी, दिल्ली पुलिस ने 4 करोड़ रुपये कराए फ्रीज

● देश के पूर्व प्रधानमंत्री के बेटे और पूर्व सांसद के साथ करोड़ों रुपये की साइबर ठगी का मामला सामने आया है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देश के पूर्व प्रधानमंत्री इंद्र कुमार गुजराल के बेटे और पूर्व सांसद नरेश गुजराल के साथ करोड़ों रुपये की साइबर ठगी का मामला सामने आया है. साइबर ठगों ने वॉट्सऐप पर उनकी पहचान का इस्तेमाल कर उनके कर्मचारी को झांसा दिया और करीब 7.8 करोड़ रुपये एक खाते में ट्रांसफर करा लिए।

मामले की शिकायत मिलने के बाद दिल्ली पुलिस ने जांच शुरू कर दी है. पुलिस ने मंगलवार को इस मामले में ई-एफआईआर दर्ज की. शुरुआती जांच में सामने आया है कि ठगी की गई रकम में से करीब 4 करोड़ रुपये पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए फ्रीज करा दिए हैं।

नरेश गुजराल की फोटो लगाकर भेजा मैसेज

जानकारी के मुताबिक, ठग ने नरेश गुजराल की फोटो लगाकर उनके फाइनेंस से जुड़े एक भरोसेमंद कर्मचारी को वॉट्सऐप पर मैसेज भेजा. आरोपी ने खुद को नरेश गुजराल बताया और कहा कि वह एक जरूरी मीटिंग में व्यस्त हैं। इसके बाद उसने एक बैंक अकाउंट में आरटीजीएस के जरिए पैसे भेजने के निर्देश दिए। कर्मचारी ने ठग के मैसेज पर भरोसा करते हुए 12 से 16 जून के बीच चार अलग-अलग आरटीजीएस ट्रांजैक्शन कर दिए. इन ट्रांजैक्शन के जरिए करीब 7.8 करोड़ रुपये ट्रांसफर हो गए। ठगी का खुलासा तब हुआ जब कर्मचारी ने इस लेनदेन की जानकारी नरेश गुजराल की बेटी को दी. बेटी ने जब नरेश गुजराल से बात की तो उन्होंने साफ किया कि उन्होंने ऐसा कोई पैसा ट्रांसफर करने का आदेश नहीं दिया था. इसके बाद परिवार को साइबर फ्रॉड की जानकारी हुई। परिवार ने तुरंत साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत की। इसके बाद पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए ठगी की करीब 70 फीसदी रकम को फ्रीज करा दिया।

पुलिस कर रही जांच

दिल्ली पुलिस अब इस पूरे मामले की जांच कर रही है. पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि आरोपी कौन हैं, उन्होंने बैंक अकाउंट कैसे हासिल किए और इस साइबर गिरोह के पीछे कौन लोग शामिल हैं. फिलहाल आरोपियों की पहचान नहीं हो पाई है।

दिल्ली के माउंट कैलाश में मेड की हत्या, बैट-चाकू बरामद, आरोपी डॉक्टर भी अरेस्ट

● साउथ दिल्ली के कैलाश हिल्स में एक महिला की हत्या कर दी गई है. पुलिस ने घटनास्थल से बैट और चाकू बरामद किया. साथ ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

साउथ ईस्ट दिल्ली के अमर कॉलोनी थाना क्षेत्र में एक महिला की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है. माउंट कैलाश इलाके में एक बिल्डिंग की छत पर 45 साल की मेड का शव खून से लथपथ हालत में मिला। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. वहीं पास में बैट और चाकू पड़ा हुआ था, जिसे पुलिस ने बरामद कर लिया है। आशंका जताई जा रही है कि आरोपी ने बैट और चाकू से हमला कर महिला की हत्या की।

छत पर मिली महिला की लाश

सूचना मिलते ही अमर कॉलोनी थाना पुलिस हरकत में आई. कालकाजी एसीपी, एसएचओ अमर कॉलोनी और स्थानीय पुलिस टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची. पुलिस टीम ने बिल्डिंग की छत पर जाकर देखा तो वहां एक महिला मृत अवस्था में पड़ी थी. महिला के शरीर पर चोट के निशान थे और चारों तरफ खून फैला हुआ था।

पुलिस ने डॉक्टर को गिरफ्तार किया

मृतका की पहचान मीना के रूप में हुई, जिसकी उम्र करीब 45 साल थी. पुलिस जांच में पता चला कि मीना घरेलू सहायिका के रूप में काम करती थी। घटनास्थल पर एक डॉक्टर मनीष गुप्ता भी मौजूद था, जो मृतका के पास बैठा हुआ था. पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की. पुलिस के मुताबिक, आरोपी डॉक्टर लंबे वक्त से डिप्रेशन में चल रहा है. पूछताछ में अलग अलग चीजें बता रहा है। पुलिस के अनुसार पूछताछ के दौरान आरोपी ने महिला पर हमला करने की बात स्वीकार की है. आरोपी ने बताया कि उसने पहले महिला पर बैट से वार किए और उसके बाद चाकू से हमला किया। हमले के कारण महिला की मौत हो गई. पुलिस ने आरोपी को मौके से ही गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है और हत्या के पीछे की वजह पता लगाने की कोशिश कर रही है. जांच में यह पता लगाया जा रहा है कि आरोपी और मृतका के बीच क्या संबंध था. दोनों के बीच किसी तरह का विवाद था या हत्या के पीछे कोई अन्य कारण था।

क्राइम टीम ने जुटाए सबूत

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने क्राइम टीम को मौके पर बुलाया. क्राइम टीम ने घटनास्थल की जांच कर साक्ष्य जुटाए हैं. फॉरेंसिक जांच के लिए जरूरी नमूने भी लिए जा रहे हैं. इसके अलावा पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है, ताकि पूरी घटना की कड़ी को जोड़ा जा सके। पुलिस के मुताबिक, वारदात में इस्तेमाल किए गए हथियारों को बरामद करने की कार्रवाई की जा रही है. बैट और चाकू समेत अन्य सबूतों को जांच में शामिल किया जाएगा. अमर कॉलोनी थाना पुलिस ने हत्या की धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है।

पुलिस जांच में जुटी

पुलिस टीम अब आरोपी से विस्तृत पूछताछ कर रही है और यह पता लगाने में जुटी है कि घटना से पहले दोनों के बीच क्या हुआ था. पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद हत्या के कारणों और घटना की पूरी सच्चाई सामने आएगी। शुरुआती पूछताछ में आरोपी डॉक्टर ने बताया कि मेड कोई काला जादू करती थी. काले जादू की वजह से घर में शांति नहीं थी और पूरा परिवार परेशान था. फिलहाल पुलिस डॉक्टर से लगातार पूछताछ की जा रही है और हत्या का असली मकसद जानने की पुलिस कोशिश कर रही है।

पानी नहीं दे पा रहा जलबोर्ड, यमुनापार में रोज पौने तीन करोड़ का पानी बेच रहे माफिया

● यमुनापार में दिल्ली जल बोर्ड की नाकामी के कारण गंभीर पेयजल संकट है, जिसका फायदा उठाकर पानी माफिया अवैध भूजल दोहन से बोतलबंद पानी बेच रहे हैं।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूर्वी दिल्ली। यमुनापार में लंबे समय से जारी पेयजल संकट के बीच दिल्ली जल बोर्ड घरों तक पर्याप्त पानी पहुंचाने में नाकाम साबित हो रहा है। इसका फायदा उठाकर पूरे क्षेत्र में पानी माफिया सक्रिय हो गए हैं और अवैध भूजल दोहन के जरिए बोतलबंद पानी का कारोबार धड़ल्ले से चला रहे हैं। पानी की किल्लत झेल रहे परिवार रोजाना 20 लीटर के कई जार खरीदने को मजबूर हैं, जिससे उनके मासिक खर्च में भी भारी बढ़ोतरी हो रही है। हाल ही में जानी जनगणना के आंकड़ों के अनुसार यमुनापार के दोनों जिलों में लगभग 11 लाख घर हैं। इनमें से 50 प्रतिशत परिवार रोजाना लगभग 50 रुपये पानी के जार पर खर्च करते हैं। ऐसे में रोज का पानी के खर्च का आंकड़ा लगभग पौने तीन करोड़ है। वेस्ट ज्योति नगर, विश्वास नगर, मुस्तफाबाद, भजनपुरा, यमुना विहार, मंडावली, पटपड़गंज, विनोद नगर और आनंद विहार समेत कई इलाकों में लोगों को या तो पर्याप्त पानी नहीं मिल रहा है या फिर गंदे पानी की आपूर्ति हो रही है। पिछले करीब तीन महीनों से जल बोर्ड से समाधान की उम्मीद लगाए बैठे हजारों लोग निजी पानी सप्लायरों पर निर्भर हो गए हैं, जिससे बोतलबंद पानी का कारोबार तेजी से फैल रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार, 20 लीटर के एक पानी के जार की कीमत 30 से 100 रुपये तक है। हालात ऐसे हैं कि मांग बढ़ते ही कीमतों में भी इजाफा होने लगता है। शिव विहार निवासी मोहन झा ने बताया कि जल संकट से इलाके के करीब 10 हजार लोग प्रभावित हैं और कई परिवार रोजाना 20 लीटर के तीन से चार जार खरीदने को मजबूर हैं।सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज पानी के प्लांटों की तुलना में क्षेत्र में कहीं अधिक सबमर्सिबल संचालित हो रहे हैं। इससे जल संकट के बीच बड़े पैमाने पर अनियंत्रित भूजल दोहन किए जाने की आशंका जताई जा रही है।वहीं, बिना प्रभावी निगरानी के सप्लाई किए जा रहे पानी की गुणवत्ता और सुरक्षा को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

आग की बढ़ती घटनाओं के बीच पूर्वी दिल्ली की 119 सोसायटियों को नोटिस

पूर्वी दिल्ली। आईपी एक्सटेंशन स्थित ग्रुप हाउसिंग सोसायटी क्षेत्र में आग से सुरक्षा को लेकर इंद्रप्रस्थ विस्तार सहकारी आवास सोसायटीज महासंघ ने अहम पहल करते हुए सभी 119 सोसायटीज के लिए एडवाइजरी नोटिस जारी की है। महासंघ ने हाल के दिनों में आग की बढ़ती घटनाओं को गंभीर खतरा बताते हुए सोसायटी प्रबंधन समितियों को सतर्क रहने और आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही सरकार से भी बेहतर व्यवस्थाओं की मांग की गई है। महासंघ के फाउंडर सुरेश बिंदल ने बताया कि एडवाइजरी में सोसायटीज से कहा गया है कि वे अपने परिसर में लगे सभी अग्निशमन यंत्रों की नियमित जांच कर उन्हें पूरी तरह कार्यशील स्थिति में रखें। इसके साथ ही ओवरहेड और अंडरग्राउंड टंकियों में पर्याप्त पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने, फायर अलार्म, स्प्रिंकलर सिस्टम और फायर पंप की समय-समय पर जांच कराई जाए।